17 नवंबर 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



नोनियापुरा में तड़के पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ट्रक से 889.2 लीटर शराब बरामद, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

दिल्ली ब्लास्ट मामले में आई20 कार का मालिक आमिर गिरफ्तार

- डॉ.उमर के साथ बनाई थी पूरी प्लानिंग

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को एक दर्दनाक हादसा हुआ था। एक हुंडई आई 20 कार में हुए धमाके से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी थी वही 30 से अधिक लोग घायल हो गये थे। इस घटना को आतंकवादी हमला माना जा रहा है। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है। एनआई को अपनी जांच में बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस केस में एनआईए ने पहली गिरफ्तारी की है। जिस हुंडई आई20 में धमाका हुआ था उसके मालिक को आमिर राशिद अली को एनआईए ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इसी ने मुख्य



साजिशकर्ता डॉ. उमर की मदद की थी। गिरफ्तार कार का मालिक आमिर राशिद जम्मू-कश्मीर के पंपोर का रहने वाला है। एनआईए की जांच में पता चला कि मुख्य साजिशकर्ता डॉ. उमर की मदद आमिर राशिद ने की थी। हमले में इस्तेमाल हुंडई आई20 कार आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। आमिर राशिद अली आई20 कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली आया था। कार ब्लास्ट में मरने वाले ड्राइवर की पहचान पुलवामा निवासी उमर उन नबी के रूप में हुई है। वह फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर था। जांच में यह बात सामने आई कि दिल्ली धमाके के लिए जिम्मेदार व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल सालभर से आत्मघाती हमलावर की तलाश में था। इस मॉड्यूल का प्रमुख साजिशकर्ता दिल्ली धमाके में मारा गया डॉ. उमर नबी ही था। मिली जानकारी के अनुसार डॉ. उमर टेरर कट्टरपंथी था। मॉड्यूल के लिए आत्मघाती हमलावर की तलाश में था। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए सुसाइड बॉम्बर के इस्तेमाल पर जोर देता था। श्रीनगर के काजीगुंड से पकड़े गये जासिर उर्फ दानिश ने इन बातों का खुलासा किया है। कहा कि कुलगाम के एक मस्जिद में टेरर मॉड्यूल के सदस्यों से उसकी मुलाकात हुई थी। एफरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक रेंट के मकान में टेरर मॉड्यूल के सदस्य जासिर को ले गया था। ये लोग जासिर को जैश-ए-मोहम्मद का ओवरग्राउंड वर्कर बनाना चाहते थे। दिल्ली ब्लास्ट में मारा गया आई 20 कार का ड्राइवर डॉ. उमर ने भी जासिर का ब्रेनवॉश किया था। जासिर को आत्मघाती हमलावर बनाने की कोशिश की लेकिन उसने कह दिया कि इस्लाम में सुसाइड हराम है और इतना कहते हुए वह पीछे हट गया।

दिल्ली ब्लास्ट में एटीएस ने लखनऊ से भाई-बहन को हिरासत में लिया

दिल्ली ब्लास्ट केस में एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने रविवार को लखनऊ से 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। आरोपी भाई-बहन हैं, जो पारा इलाके के कुंदन विहार में रहते थे। सूत्रों का कहना है कि दोनों का ब्लास्ट मामले से कनेक्शन मिला है। अभी आरोपियों का नाम नहीं पता चला है। परिवार के लोग भी सामने नहीं आए हैं। एटीएस दोनों को कहां लेकर गई है, यह भी जानकारी सामने नहीं आई है। एटीएस तीन दिनों से संदिग्धों की रेकी कर रही थी।

दिल्ली जा रही ट्रेन में बम की खबर, यात्रियों में मचा हड़कंप

एजेंसी/नई दिल्ली

जबलपुर से दिल्ली जाने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस में रविवार को बम होने की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया. जिसके बाद रेलवे की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं. इस दौरान प्लेटफॉर्म पर भगदड़ जैसा माहौल बन गया. बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड, आरपीएफ और जीआरपी की टीमें ट्रेन में पहुंच गईं और ट्रेन की जांच की. मथुरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की सघन तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली.जानकारी के मुताबिक श्रीधाम एक्सप्रेस में अधिकारियों को एक अलर्ट मिला कि ट्रेन के एक जनरल कोच में बम रखा गया है. यह चेतावनी सबसे पहले भोपाल स्थित रेलवे अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और जबलपुर से दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेन के रास्ते में कई बार जांच की गई.12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस को मथुरा जंक्शन पहुंचने से पहले निरीक्षण के लिए कई स्टेशनों पर रोका गया, जहां व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया. स्टेशन निदेशक एनपी सिंह ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और डॉग स्क्वायड की टीमें सुबह 10.02 बजे प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन के पहुंचने के तुरंत बाद उसमें सवार हो गईं और जनरल कोच की सीटों, सामान और अन्य स्थानों की जांच की।

पटना के गांधी मैदान में होगा शपथ ग्रहण समारोह

नीतीश कुमार लेंगे सीएम पद की शपथ, पीएम मोदी भी रहेंगे मौजूद

एजेंसी/पटना

पटना के गांधी मैदान में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। इसी को लेकर जिला प्रशासन ने गांधी मैदान को आम लोगों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया है। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई राज्यों के सीएम शामिल होंगे। इस दिन कई विधायक भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जिलाधिकारी ने घोषणा की है कि 17 नवंबर से 20 नवंबर तक गांधी मैदान क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इस अवधि के दौरान मैदान में किसी भी तरह की सार्वजनिक गतिविधि या आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। शपथ ग्रहण समारोह की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को देखते हुए चार दिनों तक पूरा परिसर प्रशासनिक नियंत्रण में रहेगा। शपथ ग्रहण के दिन सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 संपन्न हो गया है। इस चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिली है। बिहार में चुनाव संपन्न कराने के बाद निर्वाचन आयोग की टीम राजभवन पहुंची। बिहार में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर लेने की जानकारी आधिकारिक तौर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को दी। अब 18वीं विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी होगी। इसी के साथ ही आज से बिहार में आदर्श आचार संहिता खत्म हो जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल, भारत निर्वाचन आयोग के प्रधान सचिव अरविंद आनंद सहित कई अधिकारी राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचे थे।

नीतीश कुमार ने बुलाई बड़ी बैठक आज दे सकते हैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा



मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल 17 नवंबर को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। सोमवार की सुबह 11:30 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक मुख्य सचिवालय स्थित मंत्रिमंडल कक्ष में होगी। कैबिनेट की बैठक में मंत्रिमंडल भंग करने पर मुहर लगेगी। कैबिनेट की मीटिंग के तुरंत बाद नीतीश कुमार राजभवन जाएंगे। राजभवन जाकर नीतीश कुमार राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। इस्तीफे के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगी। बिहार में नई सरकार गठन की प्रक्रिया 17 नवंबर दिन सोमवार से औपचारिक रूप से शुरू होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कैबिनेट की बैठक के बाद अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपेंगे। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक में नेता का चयन किया जाएगा, जिसके बाद नीतीश कुमार सरकारी गठन का दावा पेश करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह इस बार 19 नवंबर को गांधी मैदान में होने जा रहा है। सोमवार को राज्य कैबिनेट की बैठक में वर्तमान विधानसभा को भंग करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा।



नौसेना की ताकत में होगा इजाफा : 24 नवंबर को सेवा में शामिल होगा पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत 'माहे'

एजेंसी/नई दिल्ली

पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत 'माहे' 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह एक शैलो-वॉटर क्राफ्ट है। यानी यह युद्धपोत समुद्र की बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है। यह टॉरपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से सुसज्जित है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत बना रहा है, जिनमें यह पहला है, जिसका नाम माहे है। यह नाम पुडुचेरी के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर माहे के नाम पर रखा गया है और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रतीक है। नौसेना प्रवक्ता ने कहा,



अपनी ताकत, छिपकर काम करने की क्षमता और गतिशीलता के साथ यह जहाज पनडुब्बियों का शिकार करने, तटीय गश्त करने और भारत के अहम समुद्री मार्गों की सुरक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया है। टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेट से सुसज्जित माहे-श्रेणी का पहला जहाज 23 अक्तूबर को नौसेना को सौंपा गया था। नौसेना प्रवक्ता ने कहा कि 24 नवंबर को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में 'माहे' को शामिल करने के साथ ही नौसेना की देशी जहाज निर्माण की यात्रा में एक और मील का पत्थर छूने वाला है।

2028 में चंद्रयान-4 भेजेगा इसरो, अंतरिक्ष यान उत्पादन तीन गुना करने की तैयारी

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आने वाले वर्षों के लिए अपनी सबसे महत्वाकांक्षी योजनाएं सामने रखी हैं। एजेंसी न केवल 2028 में चंद्रयान-4 भेजने की तैयारी कर रही है, बल्कि बढ़ती मांग के अनुरूप स्पेसक्राफ्ट उत्पादन क्षमता को अगले तीन वर्षों में तीन गुना करने की दिशा में भी तेज काम कर रही है।इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि संगठन इस वित्त वर्ष में सात और प्रक्षेपण करेगा और मानव अंतरिक्ष मिशन ह्यगगनयानह्ल 2027 में अपने तय कार्यक्रम के अनुसार भेजा जाएगा। इनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह, कई पीएसएलवी तथा जीएसएलवी मिशन शामिल हैं। इस दौरान स्वदेशी निर्मित पहला पीएसएलवी भी प्रक्षेपित किया जाएगा, जो भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के नए चरण की शुरूआत करेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह भारत का पहला ह्यलूनर सैंपल रिटर्नह्ल मिशन होगा, जो चंद्रमा से नमूने लाकर धरती पर भेजने का प्रयास करेगा। यह क्षमता अब तक केवल अमेरिका, रूस और चीन ने ही प्रदर्शित की है। इसके समानांतर, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त मिशन लूपेक्स पर भी काम जारी है, जो चंद्र दक्षिणी ध्रुव पर जल-बर्फ की मौजूदगी का अध्ययन करेगा।

इसके 50% हिस्से स्वदेशी, खास वैज्ञानिक पनडुब्बी 4 घंटे में 6 किमी की गहराई में पहुंचेगी

चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में समुद्रयान ले रहा आकार



एजेंसी/नई दिल्ली

चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (NIOT) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए। नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50% हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। NIOT के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकॉस्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े। लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नॉर्स्क वेरीटास) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है। समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के 'डीप ओशन मिशन' का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्वानॉट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे। समुद्रयान सागर निधि जहाज से हिंद महासागर पहुंचेगा। 30 मीटर प्रति मिनट की गति से उतरते हुए करीब 4 घंटे में यह 6 किमी की गहराई तक पहुंचेगा। सैंपल कलेक्शन, सर्वे, स्कैनिंग और साइंटिफिक गतिविधियों के लिए चार घंटे मिलेंगे। समुद्रयान के मोबाइल व्हीकल मत्स्य-6000 में एक्वानॉट सैंपल लेंगे।



राजद को कहीं मदन साह की श्राप तो नहीं लग गई, सियासी गलियारों में उठने लगा सवाल



वरूण कुमार/नावानगर

राजद की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय सियासी गलियारों में एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है, क्या सचमुच पार्टी पर मदन साह का ह्लश्रापह्व भारी पड़ रहा है? हालांकि यह राजनीतिक प्रतीकवाद है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से राजद का जनाधार कई क्षेत्रों में खिसका है, उससे यह सवाल आम लोगों की जुबान पर चढ़ता जा रहा है। जानकार बताते हैं कि पूर्वी चंपारण के मधुबन विधानसभा के मदन साह की राजनीतिक सक्रियता के दौर में यह इलाका राजद का मजबूत गढ़ माना जाता था। लेकिन उनके साथ हुए विवादित घटनाक्रम और उसके बाद कई नेताओं के पार्टी से दुराव ने संगठन को भीतर से कमजोर किया। स्थानीय स्तर पर नेताओं के बीच खींचतान, टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष और लगातार बदलते समीकरणों ने भी राजद की स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। हालिया समय में कई वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़कर अन्य दलों का रुख कर चुके हैं। इससे कार्यकताओं का मनोबल भी प्रभावित हुआ है। वहीं विपक्ष लगातार यह मुद्दा उछाल रहा है कि राजद आज जिस स्थिति में है, वह ह्लअनहोनियों की लंबी कड़ीह्व का परिणाम है। इसी संदर्भ में मदन साह का नाम फिर से उभर रहा है और लोग इसे प्रतीकात्मक ह्लश्रापह्व से जोड़कर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी दल की मजबूती या कमजोरी नेतृत्व की रणनीति, संगठन की एकजुटता और जनता के विश्वास से तय होती है। ह्लश्रापह्व जैसी बातें सिर्फ जनभावनाओं और मिथकीय अंदाजों से उपजी होती हैं। फिर भी, यह साफ है कि राजद को बक्सर और आसपास के क्षेत्रों में खुद को पुनर्गठित करने के लिए बड़ी रणनीतिक पहल की जरूरत है। फिलहाल, जनता के बीच ये चर्चाएं जरूर गरमा गई हैं कि क्या वाकई राजद का संघर्ष किसी प्रतीकात्मक श्राप का परिणाम है, या फिर यह महज राजनीतिक असंतुलन का असर है।

भोजन बैंक बक्सर द्वारा 32वें सप्ताह प्रसाद वितरण कार्यक्रम, जरूरतमंदों को कराया गया निःशुल्क भोजन

केटी न्यूज/बक्सर

भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के तहत संचालित भोजन बैंक बक्सर द्वारा रविवार को लगातार 32वें सप्ताह जरूरतमंदों को प्रसाद रूपी भोजन कराया गया। यह कार्यक्रम 16 नवंबर को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक लक्ष्मी नारायण, अधिवक्ता अकरम, मदन मोहन वर्मा तथा चंदन वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मंटू वर्मा (उजियार), राहुल वर्मा और प्रमोद केशरी ने संस्थान की पहल की सराहना करते हुए कहा कि गरीबों व जरूरतमंदों की सेवा करना वास्तव में काबिले-तारीफ कार्य है। उन्होंने कहा कि ह्लनर सेवा ही नारायण सेवाह्व की भावना से यह कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के बीच मदन मोहन वर्मा, अमित पांडेय (गोला घाट), डॉ. मोईन (पुराना भोजपुर), अतहर खान (जामा भोजपुर) व मंटू वर्मा (उजियार) द्वारा कंबल का वितरण भी किया गया।भोजन बैंक टीम के सदस्य एवं ग्राम पंचायत कमरपुर के पंचायत सचिव नंद किशोर के जन्मदिन पर मिठाई वितरित की गई। वहीं विवेक कुमार मौर्य ने अपनी माता स्वर्गीय मीना देवी की तृतीय पुण्यतिथि पर पूरे भोजन कार्यक्रम का खर्च वहन किया। कार्यक्रम में शिक्षक बाला, हाफिज इमरान शामसी, पंकज, अनिल वर्मा, बब्लू गुप्ता, कृष्णा केशरी, दुलार चंद, राज श्रीवास्तव, संतोष वर्मा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दिव्यांग संघ बक्सर के जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र ठाकुर, अधिवक्ता राजेश, संतोष वर्मा एवं गायक गुड्डू पाठक ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

नोनियापुरा में तड़के पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ट्रक से 889.2 लीटर शराब बरामद, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

- ट्रक पर लदी बाइक भी जब्त, दस्तावेजों के आधार पर तस्करों की तलाश तेज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना पुलिस ने शराब तस्करी के नेटवर्क पर करारी चोट करते हुए रविवार की भोर में एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। नोनियापुरा गांव के करीब हुई इस कार्रवाई ने पुलिस की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को एक बार फिर साबित कर दिया। पुलिस के पहुंचते ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रक को सड़क किनारे छोड़ फरार हो गए, परंतु वाहन की तलाशी में मिली शराब की खेप ने एक बड़े नेटवर्क के सक्रिय होने के संकेत साफ कर दिए हैं।

रविवार सुबह करीब 4 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तस्करों द्वारा एक ट्रक से शराब की बड़ी खेप किसी ठिकाने पर भेजी जा रही है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजीत कुमार के नेतृत्व में टीम नोनियापुरा मार्ग पर सक्रिय हुई। संदिग्ध ट्रक दिखते ही



पुलिस ने उसे रुकने का संकेत दिया, लेकिन पुलिस वाहन पास आते ही ट्रक चालक और उसके साथी खेतों की ओर भाग निकले। पुलिस ने घेरा तो जरूर बनाया, पर अंधेरे और खेतों की आड़ का फायदा उठाकर तस्कर फरार हो गए। इसके बाद ट्रक की जब तलाशी ली गई तो पुलिस भी चौंक गई। कुल 889.2 लीटर अवैध शराब ट्रक से बरामद हुई। इसमें 630 लीटर देशी शराब ब्लू लाइम और 259.2 लीटर विदेशी शराब एट पीएम शामिल थी। इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी से साफ है कि यह खेप किसी बड़े बाजार या सप्लाई चेन के लिए भेजी जा रही थी। ट्रक पर एक मोटरसाइकिल भी लदी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। आशंका है कि बाइक तस्करी में सहायक वाहन के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि ट्रक और बाइक दोनों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है, ताकि असली मालिक या तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करों की जल्द गिरफ्तारी तय है। बरामदगी को एक बड़े नेटवर्क के खुलासे की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर तस्करी की बढ़ती कोशिशों को देखते हुए पुलिस ने ऐसे रैकेट पर लगातार नजर रखने का दावा किया है। कृष्णाब्रह्म पुलिस की इस कार्रवाई ने जहां शराब माफिया के इरादों पर पानी फेर दिया है, वहीं क्षेत्र में सक्रिय अन्य तस्करों के लिए भी यह कड़ा संदेश है कि कानून के शिकंजे से बचना अब आसान नहीं होगा। पुलिस टीम ने मामले की गहराई से जांच कर जल्द पूरे नेटवर्क को उजागर करने का भरोसा जताया है।

नया भोजपुर में 50 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 लीटर देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान शुरू किया। छापेमारी के दौरान कांव नदी के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को दिखाई दिया, जिसे रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से 50 लीटर देशी शराब बरामद की गई। मौके पर ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान संजय यादव, पिता महेंद्र यादव, निवासी नया भोजपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह क्षेत्र में काफी समय से अवैध शराब की बिक्री और तस्करी में सक्रिय था। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए थाना क्षेत्र में लगातार निगरानी की जा रही है। गुप्त सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाती है, ताकि तस्करों का नेटवर्क पूरी तरह तोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है, जिससे उसके संपर्क में जुड़े अन्य तस्करों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में शराब माफिया के बीच हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है और उम्मीद जताई कि आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

न्याय व्यवस्था व सुशासन की जीत है, तेज होगी विकास की रफ्तार : जीवन कुमार

- भाजपा एमएलसी ने डुमरांव बक्सर और राजपुर में विधायकों को दी शुभकामना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा में एनडीए की जीत पर भाजपा एमएलसी जीवन कुमार ने खुशी व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित विधायक राहुल कुमार सिंह को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने बक्सर और राजपुर से चुनकर आए एनडीए विधायकों को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत जनता के विश्वास, मेहनत और मजबूत संगठन का परिणाम है। बता दें कि चुनाव के दौरान एमएलसी जीवन कुमार स्वयं शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय रहे। उन्होंने अलग-अलग इलाकों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील की। इस अभियान में भाजपा नेता शक्ति राय, दीपक यादव, रोहित सिंह, अभिषेक रंजन सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता और पदाधिकारी लगातार जुड़े रहे। एमएलसी जीवन कुमार ने कहा कि चुनाव परिणाम आने से पहले ही यह स्पष्ट हो गया था कि डुमरांव की जनता बदलाव चाहती है और बिहार की जनता स्थिरता की पक्षधर है। इसी भावनात्मक माहौल में लोगों ने एनडीए को अपना समर्थन दिया। उनके अनुसार, डुमरांव से एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए गांव-गांव घूमकर जनता के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाई। नियमित संपर्क, युवाओं से संवाद और स्थानीय समस्याओं को जानने की



प्रतिबद्धता ने उन्हें लोगों का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक उम्मीदवार की जीत नहीं, बल्कि बेहतर शासन, विकास और स्थिर नेतृत्व की दिशा में जनता द्वारा दिया गया मजबूत संदेश है। एमएलसी ने आशा व्यक्त की कि नवनिर्वाचित विधायक अपने कार्यकाल में डुमरांव क्षेत्र के विकास, सड़क-बिजली से लेकर शिक्षा-स्वास्थ्य तक की बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा और एनडीए नेतृत्व आगे भी जनता के भरोसे पर खरा उतरने के लिए पूरी मजबूती से काम करेगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर


सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

चौसा थर्मल प्लांट पर किसानों-मजदूरों का तीखा प्रहार, प्रदूषण व रोजगार घोटाले पर फूटा गुस्सा



केटी न्यूज/चौसा

चौसा थर्मल पावर प्लांट से उत्पन्न समस्याओं को लेकर रविवार को प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक पंचायत भवन, बनारपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता घनश्याम चौधरी ने की, जबकि संचालन डॉ. विजय नारायण राय ने किया। कार्यक्रम में नंदलाल सिंह, इस्त्राइल खां, रामप्रवेश सिंह, नरेन्द्र तिवारी, ललितेश्वर राय समेत बड़ी संख्या में किसान, महिला मजदूर, बेरोजगार युवा और एसटीपीएल परियोजना से प्रभावित ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रदूषण और स्वास्थ्य संकट पर चिंता : वक्ताओं ने आरोप लगाया कि चौसा थर्मल पावर प्लांट को बिना एफजीटी सिस्टम चालू किए ही संचालन शुरू कर दिया गया है। सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन नियंत्रित करने के लिए अनिवार्य यह मशीन लगभग 400 करोड़ की लागत से लगनी थी, लेकिन कंपनी ने इसे अब तक शुरू नहीं किया। इसके कारण क्षेत्र में प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ग्रामीणों में दमा, टीबी व आंखों से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

एनजीटी नियमों के उल्लंघन का आरोप

बैठक में कहा गया कि कंपनी द्वारा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के नियमों की अनदेखी करते हुए घनी आबादी के बीच मालगाड़ी से कोयले की अनलोडिंग और डंपर में लोडिंग की जा रही है। इससे धूल और प्रदूषण लगातार फैल रहा है तथा स्वास्थ्य समस्याएं गंभीर होती जा रही हैं।

रोजगार में धांधली का मुद्दा गरमाया

ग्रामीणों ने एसटीपीएल और उसकी सहयोगी कंपनी पावर मेक पर प्रभावित गांवों की अनदेखी कर बाहरी लोगों को घूस लेकर नौकरी देने का आरोप लगाया। स्थानीय युवाओं ने इसे अपने हक पर सीधा प्रहार बताया।

संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के उल्लंघन की शिकायत

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 2013 भूमि अधिग्रहण अधिनियम और संविधान प्रदत्त अधिकारों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। प्रभावित किसानों, मजदूरों और महिलाओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए, जिससे उनके जीवन-यापन पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है।

कंपनी और प्रशासन को अल्टीमेटम

बैठक में चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ और प्रभावित परिवारों के अधिकारों का सम्मान नहीं किया गया, तो बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। अगली बैठक में एसटीपीएल कंपनी का संचालन ठप करने जैसे बड़े निर्णय की घोषणा की जा सकती है।

ब्रह्मपुर में जश्न का माहौल, तीसरी बार विधायक बने शंभू नाथ सिंह यादव का गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत

- बगेन से ब्रह्मपुर तक उमड़ा समर्थकों का सैलाब, फूल-मालाओं और पगड़ी से किया गया सम्मान

केटी न्यूज/सिमरी

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद समर्थकों का उत्साह रविवार को भी चरम पर दिखाई दिया। चुनाव परिणाम आने के दूसरे दिन भी क्षेत्र में जश्न का माहौल बना रहा। तीसरी बार शानदार जीत दर्ज करने वाले राजद विधायक शंभू नाथ सिंह यादव को बधाई देने के लिए समर्थकों का तांता पूरे दिन लगा रहा।

सुबह से ही बगेन, कैथी, कुरुथीया, रघुनाथपुर, खरयांव, ब्रह्मपुर सहित विभिन्न पंचायतों और गांवों से गाजे-बाजे के साथ समर्थक जुलूस की शक्ल में निकल पड़े। समर्थकों के कदम जहां-जहां पड़े, वहां ढोल-नगाड़ों की थाप और



विजय नारों की गूंज से वातावरण रोमांचित हो उठा। हर तरफ उत्साह, उमंग और गर्व का मिश्रण देखने को मिला। भव्य स्वागत कार्यक्रम सोन हरदेव फ्लावर मिल, लहना चक्की परिसर में आयोजित किया गया, जहां हजारों समर्थक इकट्ठा हुए। मंच पर पहुंचते ही विधायक शंभू नाथ सिंह यादव को फूल मालाओं की लंबी माला, गुलदस्ते और परंपरागत पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। समर्थकों ने खुशी के बीच नारे लगाए।

कार्यकताओं के बढ़ते कदमों और उत्सव के माहौल को देखते हुए विशाल लंगर की व्यवस्था की गई थी। इसमें शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा गया। वहीं उत्सव की मिठास बढ़ाने के लिए लड्डुओं की भरपूर वितरण के बीच कार्यकताओं ने एक-दूसरे को खिलाकर जीत की खुशी का इजहार किया। पूरा परिसर उत्सव स्थल में तब्दील हो गया।

स्थानीय लोगों और युवा कार्यकताओं ने बताया कि यह सिर्फ जीत का जश्न नहीं, बल्कि विकास और जनहित की उम्मीदों का उत्सव है। विधायक ने भी समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनता के विश्वास की जीत है और आने वाले दिनों में वह उस भरोसे पर खरा उतरने के लिए निरंतर काम करेंगे।

डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने की सीएम नीतीश से मुलाकात, मंत्री बनाए जाने की मांग तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के नवनिर्वाचित और पहली बार विधानसभा पहुंचे एनडीए विधायक राहुल कुमार सिंह रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले। यह मुलाकात केवल औपचारिक शिष्टाचार भर नहीं, बल्कि राजनीतिक गलियारों में नई हलचल पैदा करने वाली साबित हो रही है। मुलाकात के तुरंत बाद विधायक ने इसकी तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि ह्लमुख्यमंत्री से मिलना मेरे जीवन का सबसे सर्वोत्तम क्षण है,ह्लह्ल उनके शब्दों से साफ झलक रहा था कि यह मुलाकात उनके लिए कितनी भावनात्मक और राजनीतिक रूप से अहम रही।



पहली बार विधानसभा और पहली बड़ी राजनीतिक दस्तक

राहुल सिंह हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महागठबंधन उम्मीदवार डॉ. अजीत कुमार सिंह को 2105 मतों से हराकर पहली बार जीत की दहलीज पर पहुंचे हैं। युवा चेहरे के रूप में उनका उभार डुमरांव की राजनीति में नई ऊर्जा लेकर आया है। उनकी जीत ने न केवल क्षेत्र में नए नेतृत्व की उम्मीद जगाई, बल्कि यह भी संकेत दिया कि डुमरांव ने इस बार बदलाव को खुले दिल से स्वीकार किया है।

मुलाकात के बाद बढ़ी अटकलें क्या मंत्री पद की तैयारी

मुख्यमंत्री से राहुल सिंह की यह मुलाकात राजनीतिक रूप से ह्यअर्थपूर्णह्ल बताई जा रही है। माना जा रहा है कि युवा और नए उत्साह से भरे विधायक को सरकार में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हालांकि इस दिशा में कोई आधिकारिक बयान अभी तक जारी नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस मुलाकात ने राहुल सिंह के राजनीतिक कद को निश्चित रूप से बढ़ाया है। उधर, मुलाकात की तस्वीर सामने आते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया है। कई जगहों पर कार्यकताओं ने विधायक को मंत्री बनाए जाने की मांग तेज कर दी है। सोशल मीडिया पर भी ह्यराहुल सिंह को मंत्री बनाओह्ल जैसे संदेश तेजी से साझा हो रहे हैं।

डुमरांव में विकास को लेकर बढ़ी उम्मीदें

राहुल सिंह ने मुलाकात को न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि बताया, बल्कि राजनीतिक यात्रा का प्रेरणादायक मोड़ भी माना। लोगों का मानना है कि यदि राहुल सिंह को सरकार में स्थान मिलता है, तो इसका सीधा लाभ डुमरांव को विकास के रूप में मिलेगा। स्थानीय लोगों में यह उम्मीद प्रबल है कि नए विधायक के नेतृत्व में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दों पर तेजी से काम होगा। जीत के बाद उनकी सक्रियता और लगातार अधिकारियों के साथ संवाद को देखकर जनता को भरोसा है कि आने वाले दिनों में डुमरांव में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। राजनीतिक हलचल, समर्थकों की बढ़ती उम्मीदें और मुख्यमंत्री से मुलाकातकृइन सबने यह स्पष्ट कर दिया है कि राहुल सिंह की राजनीतिक यात्रा अब नए मोड़ पर है। आने वाले दिनों में सरकार की ओर से क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

सोवा गांव में चोरों ने मचाया तांडव, एक ही रात तीन घरों में भीषण चोरी कर पुलिस को दी तगड़ी चुनौती



■ चोरी की सीरियल वारदात से पुलिस गश्त पर उठे सवाल, नशेड़ियों की करतूत से नहीं किया जा सकता है इंकार, भयजदा है ग्रामीण



सोवां में एक ही रात तीन घरों में चोरी की घटना की जानकारी मिली है। इसे गंभीरता से लिया गया है। डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान में जुट गई है। वहीं चोरों तक पहुंचने के लिए मुखबिरो का सहारा भी लिया जा रहा है। जल्दी ही इस घटना में शामिल चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।
– पोलत्स कुमार, एसडीपीओ, डुमरांव

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के सोवां गांव में चोरों ने तांडव मचाते हुए एक ही रात तीन घरों में चोरी की भीषण घटना को अंजाम दे पुलिस को तगड़ी चुनौती दी है। चोरी की इस वारदात के बाद ग्रामीणों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाए है। वहीं, चोरी की इस सीरियल वारदात के बाद ग्रामीण भयजदा है तथा रतजगा करने को मजबूर हो गए है। इसके पूर्व भी कुछ दिन पहले इस गांव में दो बार चोरी की घटना हो चुकी है, जिससे कई सवाल उठ रहे है। खास यह कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार तक आदर्श आचार संहिता लागू है। इस दौरान पुलिस को अलर्ट मोड में रखने का दावा किया जा रहा है। बावजूद कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र की इस घटना की पुलिस के दावे की पोल भी खोल कर रख दी है। मिली जानकारी के अनुसार चोरी की पहली घटना ग्रामीण शिशुपाल यादव के घर हुई। यहां चोरों ने घर में रखे आभूषण वाले बॉक्स को अपना निशाना बनाते हुए बक्से में रखे सोने का कानबाली, चांदी की दो पायल, सोने की एक चेन और छः हजार रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। दूसरी घटना पुष्पा देवी के घर घटित हुई है। यहां चोरों ने 80 हजार रूपए नगद तथा मोबाईल फोन पर हाथ साफ किया है। पुष्पा देवी का कहना है कि यह रकम घर के दैनिक खर्चों और खेती किसानी और अन्य जरूरी कामों के लिए रखी थी, लेकिन चोरों ने हमारी मेहनत की गाढ़ी कमाई को चुरा लिया है। तीसरी वारदात अंतिम देवी पति अवधेश यादव के घर घटित हुई है। चोरों ने यहां से तीन हजार रुपये नगद और एक एंड्रॉयड फोन की चोरी किया है। रकम भले ही कम थी, लेकिन घर में निडरता से घुसकर सामान ले जाना पूरे गांव के लिए चिंता का विषय है।

चोरी की सीरियल वारदात के बाद दहशतजदा है ग्रामीण

बता दें कि चोरी की सभी घटनाएं रात के अंधेरे में घटित हुई है। पीड़ितों को इस घटना की जानकारी रविवार की सुबह हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने पड़ताल की तो कही गांव के बाहर चोरों द्वारा तोड़कर फेका गया बक्शा मिला तो कही कुछ औरे सामान। वहीं, इस घटना के बाद ग्रामीण दहशत में है तथा चोरों के भय से रतजगा करने को मजबूर हो गए है। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने जिस सफाई से चोरी की है, उससे साफ जाहिर हो रहा है कि चोरी की इस वारदात में चोर काफी निपुण है। वहीं, आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देने से पहले अच्छी तरह से रेकी की होगी तथा उन्हें पता था कि किस घर में किस रास्ते से प्रवेश करना है। इस दौरान चोरों ने दरवाजे पर लगे लाईट को खोलकर फेक दिया था, ताकि अंधेरे की वजह से उनकी करतूतो पर किसी की नजर नहीं पड़ी। ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके में अक्सर चोरी की घटनाएं घटित हो रही है।

नशेड़ियों की करतूत से नहीं किया जा सकता है इंकार

ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि इस घटना में नशेड़ियों का हाथ हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि टुड़ीगंज तथा उसके आस पास में न सिर्फ मादक पदार्थों की तस्करी होती है, बल्कि हेरोईन पीने वाले नशेड़ियों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने बताया कि नशेड़ियों द्वारा नशे की लत को पूरा करने के लिए अक्सर छोटी-मोटी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। ग्रामीणों की मानें तो सोवां में हुई चोरी की सीरियल वारदात में नशेड़ियों की करतूत से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया घटना को

सोवां में शनिवार की रात हुई चोरी की सीरियल घटनाओं को स्थानीय पुलिस ने चुनौती के रूप में लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंच घटना स्थल का मुआयना करने के साथ पीड़ितो से घटना की विस्तृत जानकारी ले चोरों की पड़ताल में जुट गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस घटना में शामिल चोरों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा।

एक नजर

सिद्धिपुर में श्रीराम कथा का आयोजन, भक्तिमय माहौल में गूंजी धर्म और कर्तव्य की सीख

केसठ। प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत सिद्धिपुर गांव में शनिवार की शाम एकदिवसीय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया गया। कथा का संचालन राम गणेश तिवारी द्वारा किया गया, जबकि अयोध्या धाम से पधारी आचार्या किशोरी प्रज्ञा पांडे ने श्रद्धालुओं को राम सीता विवाह प्रसंग सहित कई आध्यात्मिक ज्ञान की बातें बताईं।आचार्या ने अपने प्रवचन में कहा कि जीवन को संवारने के लिए भगवान के चरणों में प्रेम और पूर्ण श्रद्धा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिस पर प्रभु की कृपा नहीं होती, वह मनुष्य नहीं बल्कि दानव की श्रेणी में आ जाता है, क्योंकि ईश्वर की कृपा के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता।उन्होंने आगे बताया कि मनुष्य कभी-कभी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए भी भाग्य से निराश हो जाता है, जबकि सत्य यही है कि ईश्वर ने उसे और अधिक श्रेष्ठ बनने के लिए बनाया है। इसलिए भाग्य की नहीं, बल्कि कर्तव्य की चिंता करनी चाहिए। आचार्या पांडे ने यह भी स्पष्ट किया कि धर्म बड़ा है या कर्म इस प्रश्न का उत्तर धर्म में निहित है। धर्म ही यह निर्धारित करता है कि कोई कर्म शुकर्म है या कुकर्म। अतः मनुष्य को धर्म परायण तथा कर्तव्यनिष्ठ होना चाहिए, क्योंकि भाग्य हमेशा कर्तव्य का ही फल है।कथा के दौरान पूरे कार्यक्रम स्थल का वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कथा श्रवण के लिए सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद थे।

नया भोजपुर से शराबी गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में एक युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। शराबी की पहचान नया भोजपुर निवासी गुड्डू कुमार पिता निर्मल यादव के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में एक व्यक्ति नशे की हालत में घूम रहा है और लोगों में भय एवं असामान्य स्थिति पैदा कर रहा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। प्राथमिक पूछताछ के दौरान उसके व्यवहार से नशे का अंदेशा हुआ, जिसके बाद उसे ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट के लिए ले जाया गया। परीक्षण में उसके शराब सेवन की पुष्टि हुई। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराबबंदी कानून के तहत किसी भी तरह की शराब सेवन, खरीद-बिक्री या तस्करी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक ने पैदल चल रहे बुजुर्ग को मारी टक्कर, तीन जख्मी

चौगाई। कोरानसराय-केसठ मार्ग पर शनिवार रात्रि लगभग 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना कोन्ही गांव के समीप उस वक्त हुई जब तेज रफ्तार से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा रहे एक वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार चौगाईं की ओर से एक ही बाइक पर सवार होकर पांडेयपुर गांव जा रहे अनंत किशोर राम पिता बसंत राम, तथा पवन कुमार राम पिता आशीष राम अपनी घर की तरफ बढ़ रहे थे। कोन्ही गांव पहुंचते ही उनका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सीधे बंजरिया गांव के 70 वर्षीय सफारी सिंह, पिता स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह से टकरा गई। ।सफारी सिंह अपने रोजमर्रा की तरह दूध सप्लाई करके बंजरिया लौट रहे थे। अचानक हुई इस दुर्घटना में वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद अनंत किशोर राम को सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। पवन कुमार राम को भी कई गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं वृद्ध सफारी सिंह को भी सिर और शरीर पर गहरी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उन्हें तुरंत बक्सर सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दसियांव के नन्हे गायक सह अभिनेता आर्यन बाबू सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में हुए शामिल

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के दसियांव गांव निवासी प्रसिद्ध गायक एवं नन्हे अभिनेता आर्यन बाबू ने रविवार को अपनी आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव का परिचय देते हुए सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में हिस्सा लिया। बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए आर्यन के शामिल होने से पदयात्रा में मौजूद श्रद्धालुओं में अलग ही उत्साह देखा गया।यह भव्य पदयात्रा दिल्ली से 7 नवंबर को प्रारंभ हुई थी, जो विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए हजारों श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक उत्साह के बीच वृंदावन धाम में बांके बिहारी जी के दर्शन के साथ संपन्न हुई। पूरे मार्ग में जगह-जगह लोगों ने भव्य स्वागत किया। भजन-कीर्तन, जयकारों और शंखध्वनि से यात्रा का माहौल धार्मिक बना रहा।यात्रा के दौरान आर्यन बाबू ने कई भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। लोग उनके साथ भक्ति-गीतों पर झूमते दिखे। आर्यन एवं उनके साथ चल रहे सौरभ पाठक ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य सामाजिक समरसता स्थापित करना, गौसेवा व संरक्षण को बढ़ावा देना, बांके बिहारी जी के भव्य मंदिर निर्माण जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को आगे बढ़ाना है। साथ ही भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की भावना के साथ भी यह पदयात्रा निकाली गई थी।यात्रा में बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल रहे। इनमें प्रसिद्ध नेता, अभिनेता, गायक, क्रिकेटर, युवा एवं महिला श्रद्धालुओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र के उभरते कलाकार आर्यन बाबू का ऐसे धार्मिक आयोजन से जुड़ना बेहद प्रेरणादायी है और युवाओं के लिए एक सकारात्मक संदेश है। इस पदयात्रा में अजय राय, जया किशोरी, गंगा पुत्र त्रिदंडी स्वामी जी महाराज, पुंडरीक जी महाराज, इंद्रेश जी महाराज, शिखर धवन, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, देवकी नंदन महाराज, अनुरुद्धाचार्य जी महाराज, कुमार विश्वास, मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव समेत अन्य कई प्रमुख हस्तियां शामिल रहीं।

मची सनसनी, कड़सर गांव के आहर से युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

■ ट्रैक्टर पलटने की घटना से जुड़ रहा आहर में मिले शव का रहस्य



केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा थाना क्षेत्र के कड़सर गांव की आहर से युवक का शव मिलने की घटना ने अब कई सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस स्थान से शव बरामद हुआ है, वहीं दो दिन पहले एक ट्रैक्टर पलटने की घटना भी हुई थी, जिसके चालक के फरार होने की बात सामने आई थी। ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या दोनों घटनाओं का आपस में कोई संबंध है। शव की पहचान भोजपुर जिला के चरपोखरी थाना अंतर्गत पड़रिया गांव निवासी अमरनाथ मुशहर (32 वर्ष) के रूप में की गई है, जो बासुदेवा थाना के भटौली गांव स्थित ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता था। परिजनों ने भी बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से घर नहीं लौटा था। पुलिस का कहना है कि शव दो से तीन दिन पुराना प्रतीत होता है, जिससे यह आशंका और गहराती है कि मृतक हादसे या किसी अन्य घटना का शिकार हुआ हो सकता है। उधर, ग्रामीणों का दावा है कि ट्रैक्टर पलटने की घटना के बाद चालक अचानक गायब हो गया था। लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या ट्रैक्टर चलाने वाला युवक यही था, या फिर कोई अन्य वजह रही होगी। हालांकि, पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। ट्रैक्टर दुर्घटना और शव मिलने की घटना को जोड़कर भी देखा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के इलाके में भी पूछताछ कर रही है ताकि घटना की कड़ियां जोड़ी जा सकें।

भ्रामक सूचना के दौर में तथ्य-जांच और नैतिक पत्रकारिता की जरूरत : डीडीसी

■ समाहरणालय परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस, वक्ताओं ने प्रेस की विश्वसनीयता बनाए रखने पर दिया जोर



केटी न्यूज/बक्सर

समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में रविवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस 2025 के अवसर पर जिले स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी ने की। दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। इस वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस का विषय ह्लबढ़ती भ्रामक सूचना के बीच प्रेस की विश्वसनीयता की रक्षाह्ल निर्धारित किया गया था।

उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में प्रेस और मीडिया की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त प्रेस किसी भी लोकतांत्रिक समाज की रीढ़ होती है। मीडिया जहां जनमानस को जागरूक करती है, वहीं शासन-प्रशासन और जनता के बीच सेतु का काम भी करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में गलत और भ्रामक सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक संरचना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे तथ्य-जांच, विश्वसनीय स्त्रोतों पर आधारित रिपोर्टिंग और नैतिक पत्रकारिता को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि समाज का भरोसा ही प्रेस की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे हर कीमत पर बनाए रखना जरूरी है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि बक्सर जिले के विकास में मीडिया की अहम भूमिका है। उन्होंने पत्रकारों से जिले की सकारात्मक और प्रेरणादायक सफलताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का आग्रह किया, ताकि बक्सर का नाम और अधिक उज्ज्वल हो सके। कार्यक्रम का संचालन जिला जन संपर्क पदाधिकारी ने किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बावजूद प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की महत्ता निरंतर बढ़ रही है। इस अवसर पर विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे।

मीडिया प्रतिनिधियों ने जिले में बने प्रेस क्लब को नियमानुसार संचालित कराने और जिले में प्रत्येक माह नियमित रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का प्रस्ताव उप विकास आयुक्त के समक्ष रखा। कार्यक्रम में जिला जन संपर्क पदाधिकारी बक्सर सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नया भोजपुर से अधेड़ लापता, परिवार परेशान



केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी एक अधेड़ शनिवार से ही अपने घर से लापता हो गए है। इस संबंध में लापता अधेड़ के पुत्र राजकुमार ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन दे अपने पिता की सकुशल वापसी की गुहार पुलिस से लगाई है। वहीं, केशव टाइम्स से इस संबंध में जानकारी देते हुए राजकुमार ने बताया कि उनके पिता शनिवार से ही घर से किसी काम से निकले, लेकिन लौट कर वापस नहीं आए। राजकुमार का कहना है कि पिता की तलाश में हमलोगों ने हरसंभव जगह पर खोजबीन की है तथा नाते रिश्तेदारों से भी पूछताछ की है, लेकिन उनका कही भी पता नहीं चल सका है। थकहारक परिजनों ने पुलिस से गुहार लगाई है। राजकुमार का कहना है कि उनके लापता होने से परिवार काफी परेशान है तथा किसी अनहोनी की आशंका से सभी सहमे हुए है। राजकुमार ने अपने पिता के संबंध में जानकारी देने के लिए सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर के साथ मार्मिक पोस्ट किया है तथा उनके संबंध में जानकारी देने के लिए मोबाइल नंबर भी दिया है। वही, इस मामले में पीड़ित परिवार की शिकायत पर नया भोजपुर पुलिस जांच में जुट गई है।

राबड़ी आवास समीप कपड़ा फाड़ सड़क पर लोटने वाले राजद नेता ने दी बद्दुआ

■ कहा- भगवान जो करता है अच्छा करता है

एजेंसी। पटना

टिकट नहीं मिलने पर कपड़ा फाड़कर जमीन पर लोटने वाले राजद नेता का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी पार्टी को जमकर कोस रहे हैं। उन्होंने संजय यादव पर तंज कसते हुए कहा कि खुद को चाणक्य कहने वाला ही पार्टी को बर्बाद करने पर तुला हुआ है। बिहार विधान सभा चुनाव के टिकट वितरण के दौरान राबड़ी आवास के पास कपड़ा फाड़कर सड़क पर लोटते हुए एक राजद नेता का वीडियो काफी वायरल हुआ था। अब उस राजद



विधायक का बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने न सिर्फ संजय यादव पर हमला किया बल्कि अपनी पार्टी को भी जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि पार्टी हार गई, लेकिन भगवान जो करता है अच्छा करता है। वह राजद विधायक हैं मदन शाह।राजद नेता मदन शाह ने कहा कि इस दर्द ने मुझे पागल कर दिया। मैं पटना में लालू जी से मिलने गया था, लेकिन किसी ने मुझे उनसे मिलने नहीं दिया। मैं दुःख से अभिभूत हो गया और अपने कपड़े फाड़ दिए। मैं जमीन पर गिर पड़ा और कहा कि मैं श्राप दे रहा हूँ कि उनकी पार्टी 25 सीटों तक सीमित रहेगी और वास्तव में ऐसा ही हुआ। मैं अभी भी पार्टी के लिए दुखी हूँ। राजद नेता मदन शाह ने कहा कि मुझे दुख है कि पार्टी हार गई, लेकिन भगवान जो करता है अच्छा करता है।राजद नेता मदन शाह ने संजय यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में जिन्हें 'चाणक्य' कहा जाता है, वो पार्टी को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। जब तक उन्हें पार्टी से निकाला नहीं जाता, तब तक कुछ नहीं सुधरेगा। मदन शाह ने कहा कि इस बार टिकट बंटवारे में लालू जी से सलाह नहीं ली गई। इसलिए पार्टी का ये हश्र हुआ। मुझसे सीधे तौर पर (टिकट के लिए) पैसे नहीं मांगे गए; ये मीडिया के जरिए किया गया। तो मैं पैसे कैसे दे सकता था? मैं उसे सड़क पर तो नहीं फेंक सकता था? उन्होंने कहा कि मैंने संजय यादव से बात नहीं की। बड़े नेताओं ने मीडिया के जरिए कहा था कि मुझसे टिकट के बदले पैसे मांगे जा रहे हैं।

सारण में 29 महिला सिपाहियों पर कार्रवाई : इलेक्शन ड्यूटी में लापरवाही पर रद्द ने रोका वेतन, 3 दिन के भीतर मांगा जवाब

एजेंसी। पटना

सारण पुलिस ने इलेक्शन ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर 29 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों के वेतन पर रोक लगा दी है। रद्द डॉ. कुमार आशीष ने तीन दिनों में स्पष्टीकरण तलब किया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विभागीय कार्रवाई होगी।इलेक्शन ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर बिहार के छपरा में 29 प्रशिक्षु महिला सिपाहियों पर एक्शन लिया गया है। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक ने कार्य में लापरवाही और कर्त्तव्य हीनता के आरोप में बड़ी कार्रवाई करते हुए वेतन पर रोक लगा दी है। इस बात की जानकारी सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने दी है। उन्होंने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सारण के पुलिस केंद्र के पदाधिकारी द्वारा समर्पित प्रतिवेदनों के आधार पर यह ज्ञात हुआ है कि मतगणना एवं



प्रेस विज्ञप्ति
वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सारण
(दिनांक–16.11.2025)

कर्तव्य से अनुपस्थित पाए गए 29 प्रशिक्षु सिपाहियों का वेतन धारित

हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव कार्यों के उपरान्त दिया पदाधिकारी, पुलिस केंद्र सारण द्वारा समर्पित प्रतिवेदनों के आधार पर यह ज्ञात हुआ है कि मतगणना एवं मतदान ड्यूटी के पश्चात की गई नियमित गिनती के दौरान कुल 29 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों बिना किसी प्रकार की सूचना या अवकाश आवेदन के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पायी गयीं।

दिनांक 15 नवम्बर 2025 को प्रातः ली गई गिनती में 10 महिला सिपाही तथा दिनांक 13 नवम्बर 2025 को रात्रि गिनती के दौरान कुल 19 महिला प्रशिक्षु सिपाही अनुपस्थित पाई गईं।

बिना सूचना या अवकाश आवेदन के अनुपस्थित रहना कर्तव्यहीनता, आदेश उल्लंघन तथा घोर लापरवाही का स्पष्ट द्योतक माना गया है। अतः उक्त सभी महिला प्रशिक्षु सिपाहियों का उनके-उनके अनुपस्थिति दिवस 13.11.2025 एवं 15.11.2025 से वेतन धारित किया गया है साथ ही उक्त सभी को 03 दिनों के अंदर विभागीय कार्रवाही के विरुद्ध स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। सिपाहियों की सूची निम्न है-

दिनांक 13.11.25 से अनुपस्थित प्रशिक्षु सिपाहियों की सूची

क्रम सं०	ज्वाब नं०	प्रशिक्षु सिपाहियों का नाम
01	1089	रजीत कुमारी
02	1035	शिवानी कुमारी,
03	1510	वर्षा कुमारी
04	1564	लक्ष्मी कुमारी
05	1211	कोमल कुमारी
06	1229	दिलखुश कुमारी
07	1506	कुमारी निशा भारती
08	1513	प्रियंका कुमारी
09	1567	सिमा कुमारी
10	171	मनीष कुमारी
11	221	प्रेरणा भारती
12	320	स्वाती कुमारी
13	731	सिमरन कुमारी
14	1029	गुंजन कुमारी
15	1037	सबीता कुमारी
16	1069	कु० सुस्मिता पासवान
17	1072	रुबा कुमारी
18	1600	खुशबू कुमारी
19	1629	स्वाती कुमारी

दिनांक 15.11.25 से अनुपस्थित प्रशिक्षु सिपाहियों की सूची

क्रम सं०	ज्वाब नं०	प्रशिक्षु सिपाहियों का नाम
01	1611	पूजा कुमारी
02	1035	शिवानी कुमारी
03	1089	रजनी कुमारी
04	1522	संजाली कुमारी
05	1564	लक्ष्मी कुमारी
06	1569	प्रतीमा कुमारी
07	1570	शिवानी कुमारी
08	1578	मंजू कुमारी
09	1590	श्वेता रानी
10	1107	काजल कुमारी

❖ सारण पुलिस यह स्पष्ट करती है कि अनुशासनहीनता के किसी भी रूप को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। पुलिस बल की गरिमा एवं सेवा की पवित्रता को बनाए रखने हेतु निर्धारित नियमों के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर...

मतदान ड्यूटी के पश्चात की गई नियमित गिनती के दौरान कुल 29 महिला प्रशिक्षु सिपाही बगैर किसी प्रकार की सूचना या अवकाश



आवेदन के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित पायी गयीं है। विगत 13 नवंबर 2025 की रात्रि में गिनती के दौरान कुल 19 महिला प्रशिक्षु सिपाही अनुपस्थित पाई गई। जबकि 15 नवंबर 2025 को सुबह में ली गई गिनती में 10 महिला सिपाही अनुपस्थित पाई गई है। पुलिस विभाग ने इसे कर्तव्यहीनता, आदेश के उल्लंघन और घोर लापरवाही का स्पष्ट मामला मानते हुए कड़ी कार्रवाई की है। क्योंकि बगैर किसी सूचना या अवकाश आवेदन के अनुपस्थित रहना कर्तव्यहीनता, आदेश का उल्लंघन तथा घोर लापरवाही का स्पष्ट द्योतक माना जाता है। जिस कारण उक्त सभी 29 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों का उनके अनुपस्थिति दिवस 13.11.2025 एवं 15.11.2025 से वेतन पर रोक लगाई गई है। साथ ही उक्त सभी महिला प्रशिक्षु सिपाहियों को अगले तीन दिनों के अंदर विभागीय कार्यवाही के विरुद्ध स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। संतोषजनक जबाब नहीं देने पर उनके खिलाफ आगे विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी। क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के बाद ड्यूटी में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आने के बाद कार्रवाई की गई है। सारण पुलिस का स्पष्ट मानना है कि चुनाव ड्यूटी जैसे अतिसंवेदनशील दायित्व के दौरान अनुपस्थित रहना अत्यंत गंभीर अपराध है। पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सासाराम रेलवे स्टेशन के वेदा नहर समीप ट्रेन से कट एक महिला की मौत

एजेंसी। सासाराम

स्टेशन मास्टर सासाराम से समय करीब 6.55 बजे मेमो प्राप्त हुआ कि सासाराम कुमहु स्टेशन के मध्य वेदा नहर के पास अप मेन लाइन में एक महिला उम्र करीब 50 वर्ष ट्रेन से कट गई है तथा रेलवे परिचालन बाधित है। उपरोक्त सूचना के आलोक में रेसुब सहायक उप निरीक्षक दिलीप कुमार साथ स्टाफ द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल पर पहुंचकर देखे कि एक अज्ञात महिला उम्र लगभग 50 वर्ष का शव रेलवे लाइन के बीच मे पड़ा हुआ है । जिसके सिर व पैर,हाथ में गंभीर चोट का निशान है।महिला के शव पेट के बल लेटा हुआ, जिसका सिर दक्षिण व पैर उत्तर की ओर था। मौके पर सासाराम मुफ्फसिल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक महेश प्रसाद यादव मोबाइल नंबर 7979850324 साथ स्टाफ मौजूद है। घटना के बाद शव का फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करने के



उपरांत उक्त शव को करीब 8 बजे ससम्मान ट्रैक से हटाकर लाइन के किनारे रखा गया ।मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से उक्त महिला के पहचान हेतु पुछताछ किया गया जिसमे महिला की पहचान गुलाबो देवी पति अयोध्या प्रसाद निवासी -फैजलगंज वार्ड 28, थाना मुफ्फसिल जिला रोहतास के रूप में की गई। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि घर मे आपसी कलह और मतभेद था। जिससे महिला परेशान थी।बाद मुफसिल थाना सासाराम के पुलिस अवर निरीक्षक महेश प्रसाद यादव द्वारा शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन किये तो शव के पास से यात्रा संबंधी कोई टिकट या अन्य दस्तावेज नही पाया गया ।बाद मौके की समस्त कार्यवाही उपरांत अज्ञात शव को अग्रिम कार्यवाही हेतु मुफसिल थाना सासाराम के द्वारा समय 9 बजे ले जाया गया।

दुरंतो एक्सप्रेस से 70 लाख कैश बरामद : झाझा स्टेशन पर आरपीएफ जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई

एजेंसी। कटिहार

पूर्व मध्य रेल दानापुर मंडल के झाझा स्टेशन पर रेल पुलिस ने शनिवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। नई दिल्ली हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस (12274 डाउन) से यात्रा कर रहे एक यात्री के पास से 70 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। यह कार्रवाई आरपीएफ झाझा, जीआरपी झाझा और ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टी की संयुक्त टीम द्वारा की गई। सूचना के मुताबिक दानापुर सुरक्षा नियंत्रण कक्ष से खबर मिली थी कि दुरंतो एक्सप्रेस के कोच S3 में एक संदिग्ध यात्री काले पिट्ठू बैग के साथ यात्रा कर रहा है। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात फ्लैक्स उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, जीआरपी अधिकारी एवं पूरी टीम प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर पहुँची, जहाँ मार्गरक्षण पार्टी इंचार्ज सुरेंद्र प्रसाद आजाद अपनी टीम के साथ पहले से मौजूद थे। मार्गरक्षण पार्टी के अनुसार, यात्री के व्यवहार और बैग को लेकर शक होने पर उससे पूछताछ की गई। यात्री



ने बैग में किताबें होने का दावा किया, लेकिन उसके जवाब संतोषजनक नहीं थे। इसके बाद आरपीएफ जीआरपी टीम की मौजूदगी में बैग की तलाशी ली गई, जिसमें किताबों की बजाय रुपयों के बड़े-बड़े बंडल मिले। इसके बाद यात्री को ट्रेन से उतारकर जीआरपी थाना झाझा लाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम श्यामसुंदर दास, निवासी रेगर पुरा, करोल बाग (दिल्ली) बताया। उसने कहा कि यह पैकेट उसे करोल बाग के एक व्यक्ति सुखदेव नायक (मंदिर सेवक) ने दिल्ली से कोलकाता पहुँचाने के लिए दिया था, और बताया था कि इसमें किताबें हैं। उथाने में आरपीएफ जीआरपी अधिकारियों तथा एस्कॉर्ट पार्टी की उपस्थिति में जब दोनों पैकेट खोले गए तो अंदर से 500 रुपये के नोटों के बंडल मिले। कुल गिनती में 70 लाख रुपये नकद होने की पुष्टि हुई। टीम की इस सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना पूरे इलाके में की जा रही है। फिलहाल जीआरपी झाझा द्वारा मामले की गहन जांच जारी है।

पटना एयरपोर्ट में दूसरा एयरोब्रिज शुरू, अब यात्रियों को मिलेगी यह खास सुविधा

एजेंसी। पटना

पटना एयरपोर्ट पर शनिवार से दूसरा एयरोब्रिज औपचारिक रूप से चालू कर दिया गया है। नया एयरोब्रिज बोर्डिंग गेट नंबर 10 से जुड़ा है और डीजीसीए (उन्ह्तअ) की स्वीकृति के बाद इसका संचालन शुरू हुआ। इस एयरोब्रिज से होकर गुजरने वाली पहली उड़ान एयर इंडिया की मुंबईझपटनाझमुंबई सेवा रही, जिसने यात्रियों को सीधे डिपार्चर गेट से विमान तक पहुंचाया। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि अब बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और सुविधाजनक हो गई है। एयरोब्रिज के सक्रिय होने के बाद यात्रियों को सबसे बड़ा लाभ समय की बचत का मिलेगा। पहले सुरक्षा जांच के बाद यात्रियों को बस में बैठकर विमान के पास पहुंचना पड़ता था और वहां



उतरकर सीढ़ियों से चढ़ना होता था। इस प्रक्रिया में 15झ्20 मिनट आसानी से लग जाते थे। लेकिन अब एयरोब्रिज के माध्यम से यात्री सीधे गेट से विमान के दरवाजे तक पहुंच जाएंगे, जिससे बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग में लगने वाला समय लगभग 3 मिनट रह गया है। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि नया एयरोब्रिज यात्रियों को बारिश, धूप और भीड़ से राहत देने के साथ-साथ ऑपरेशनल समय को भी काफी कम करेगा। इससे एयरलाइंस के लिए भी विमान के ऑपरेशन की गति बढ़ेगी और फ्लाइट्स समय पर उड़ान भरेंगी।नए टर्मिनल के उद्घाटन के समय गेट नंबर 9 पर पहला एयरोब्रिज लगाया गया था। अब गेट नंबर 10 से जुड़कर कुल दो एयरोब्रिज सक्रिय हो चुके हैं। एयरपोर्ट निदेशक सीपी द्विवेदी बताते हैं कि आगे गेट नंबर 11, 12 और 12अ पर भी तीन और एयरोब्रिज लगाए जा रहे हैं। इनका काम तेजी से चल रहा है और इस साल के अंत तक सभी पांच एयरोब्रिज चालू हो जाने की संभावना है। यह विस्तार पटना एयरपोर्ट की क्षमता में बड़ा बदलाव लाएगा और आने वाले वर्षों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को आसानी से संभाल सकेगा। इसके अलावा, एयरपोर्ट की आधुनिक सुविधाओं में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।पुराने टर्मिनल भवन के टूटने के बाद एयरपोर्ट परिसर में छह नई पार्किंग स्पॉट बनाई जा रही हैं। फिलहाल तीन नई पार्किंग तैयार हो चुकी हैं और कुल आठ विमान एक साथ पार्क हो पा रहे हैं। तीन और पार्किंग एरिया बन जाने के बाद यह क्षमता बढ़कर 11 विमान हो जाएगी। एयरपोर्ट प्रशासन का कहना है कि इससे ऑपरेशन में लगभग 40 प्रतिशत तक समय की बचत होगी। विमान को पार्क करने, छोड़ने और अगले ऑपरेशन के लिए तैयार करने की प्रक्रिया काफी तेज हो जाएगी। अभी पटना एयरपोर्ट से लगभग 45 विमानों का दैनिक संचालन होता है। लेकिन सभी पांच एयरोब्रिज लग जाने के बाद यह संख्या बढ़कर 75 फ्लाइट्स तक पहुंच जाएगी। यात्रियों के बैठने और उतरने में लगने वाला समय घटेगा, जिससे एयरलाइंस अधिक फ्लाइट्स चलाने के लिए तैयार होंगी। धूप या बारिश में यात्रियों के फंसने की संभावना भी समाप्त हो जाएगी। पटना एयरपोर्ट लंबे समय से विस्तार और आधुनिकीकरण की जरूरत झेल रहा था।

बिहार में कलयुगी पत्नी ने की पति को जिंदा जलाने की कोशिश, बवाल के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

एजेंसी। कटिहार

कटिहार नगर थाना क्षेत्र के अरगरा चौक मोफरगंज में एक घरेलू कलह ने विकराल रूप ले लिया। यहाँ पत्नी कल्याणी देवी ने गुस्से में आकर अपने पति पंकज पोद्दार को जिंदा जलाने की कोशिश की। उसने बिना कुछ सोचे समझे घर में आग लगा दी, जिसमें पंकज बुरी तरह झुलस गए हैं और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। जिसके बाद पड़ोसियों ने किसी तरह दरवाजा तोड़कर पंकज को बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने 70% जलने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है और पुलिस ने कल्याणी को हिरासत में ले लिया है।



ज्ञात हो कि पंकज पोद्दार उर्दू मध्य विद्यालय शरीफगंज में सरकारी शिक्षक हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दंपति के बीच कई दिनों से झगड़ा चल रहा था। चार दिन पहले सड़क पर मारपीट भी हुई थी, जिसकी शिकायत पुलिस तक पहुंची थी। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि बात जानलेवा साजिश तक पहुंच जाएगी। रात करीब 11 बजे बंद कमरे से लपटें उठती देख पड़ोसियों ने शोर मचाया। दरवाजा नहीं खुला तो तोड़ दिया गया। अंदर पंकज आग की लपटों में घिरे थे।

एक नजर

शराब के साथ महिला धंधेबाज गिरफ्तार

काराकाट । पुलिस ने देशी शराब के साथ एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मोथा निवासी सुशीला कुंवर को 12 लीटर देशी शराब के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार महिला के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

चरपोखरी प्रखंड परिसर का नाला बदहाल, बाहर बह रहा पानी

चरपोखरी। सरकारी योजनाओं में लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद किस तरह से लापरवाही और देख-रेख का अभाव उन्हें बबार्दी के कगार पर ला खड़ा करता है. इसका जीता-जागता उदाहरण चरपोखरी प्रखंड परिसर में देखा जा सकता है. प्रखंड मुख्यालय जिसे साफ-सुथरा और स्वच्छ होना चाहिए, वह आज खुद गंदगी और बदबू का अंबार बन चुका है. बता दें कि प्रखंड परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से लाखों रुपये की लागत से परिसर के चारों ओर नाला, ड्रेनेज सिस्टम और पास में ही एक सार्वजनिक यूरिनल का निर्माण कराया गया था, जो आज प्रखंड परिसर में केवल वह बदबू का एक केंद्र बन कर रह गया है. नाल देखरेख के अभाव में ध्वस्त हो चुका है, जिसमे गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे यह बजबजा रहा है. आसपास के क्षेत्र में भयंकर बदबू फैल रही है. वहीं दूसरी ओर नाले के समीप ही निर्मित सार्वजनिक यूरिनल जिसे प्रशासन ने हजारों रुपये खर्च करके बनवाया था. अब टूट-फूट कर पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है. स्थानीय लोगों के अनुसार, देख-रेख न होने के कारण यह धीरे-धीरे टूटता चला गया और आज यह किसी काम का नहीं रहा. चरपोखरी निवासी पूर्व मुखिया विजय बहादुर सिंह, प्रदीप कुमार, निखिल कुमार और कृष्णा कुमार सहित अन्य का कहना है की जब सरकार के लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद प्रखंड परिसर जैसी सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक जगह पर निर्माण कार्य देख-रेख के अभाव में चंद दिनों में ही बदबू के पत्थर बन गये हैं, तो अन्य सुदूर या ग्रामीण सार्वजनिक जगहों की स्थिति क्या होगी. इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है. लोगों ने प्रखंड प्रशासन और उच्चाधिकारियों से तुरंत इस मामले का संज्ञान लेने, बदहाल नाले की सफाई कराने और टूट चुके सार्वजनिक यूरिनल को दोबारा दुरुस्त कराने की मांग की है. उनका मानना है कि यह स्थिति प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लायक है.

नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाइवे पर बालू से भरे ट्रकों की आवाजाही से लोगों में आक्रोश

सहार। प्रखंड क्षेत्र के नासरीगंज-सकड्डी स्टेट हाइवे पर इन दिनों बालू से भरे ट्रकों की आवाजाही और अव्यवस्थित पार्किंग से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सड़क पर जगहझजगह बालू फैलने से दोपहिया वाहन चालक फिसलन के कारण लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर पानी का छिड़काव नहीं होने से धूलकण लगातार उड़ते रहते हैं, जिससे यात्रियों को आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और कम दृश्यता की समस्या झेलनी पड़ती है. इसके अलावा, बालू लदे ट्रकों के लिए समुचित पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण ये वाहन सड़क की दोनों किनारों पर अनियमित रूप से खड़े रहते हैं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है. जाम और दुर्घटनाओं की बढ़ती समस्या को लेकर आम लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है. ग्रामीणों ने प्रशासन पर आवश्यक कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए जल्द से जल्द समाधान की मांग की है. उनका कहना है कि यदि समय रहते बालू परिवहन पर सख्त निगरानी, सड़क की सफाई और पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है.

आरा में जीरो माइल से चंदवा तक लगा रहा भीषण जाम, घंटों फंसे रहे लोग

आरा। शहर में रविवार को जीरो माइल से चंदवा तक लगे भीषण जाम ने लोगों की दिनचर्या पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दी. सुबह से शुरू हुआ जाम दोपहर तक जारी रहा, जिससे आम यात्रियों से लेकर मरीजों तक को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा. जाम के कारण कई वाहन घंटों तक सड़कों पर रेंगते रहे. सड़क पर जगह-जगह वाहन फंस जाने से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराती दिखी. स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों और बढ़ती भीड़ के कारण स्थिति और बिगड़ जाती है. मौके पर ट्रैफिक पुलिस भी जाम खोलने में जुटी रही, लेकिन वाहनों की लंबी कतारों के कारण समस्या बनी रही. जाम की वजह से लोग अपने गंतव्य तक समय पर नहीं पहुंच सके, जिससे कई जरूरी काम प्रभावित हुए. लोगों ने प्रशासन से जल्द ठोस कदम उठाने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने और सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर रोक लगाने की मांग की है.

साइबर अपराधियों ने बैंक खाते से 17 हजार रुपये उड़ाये

पीरो। साइबर अपराधियों द्वारा पीरो नगर के वार्ड संख्या छह निवासी एक अधिवक्ता की पुत्री के बैंक खाते से करीब 17 हजार रुपये उड़ाये जाने का मामला सामने आया है. इस मामले में पीड़ित की ओर से भोजपुर एसपी को लिखित शिकायत भेजकर कार्रवाई का अनुरोध किया गया है. जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड संख्या 6 निवासी अधिवक्ता हरेराम उपाध्याय की पुत्री कुमारी कृष्णा के मोबाइल पर गत 13 नवंबर को एक फोन आया. फोन पर दूसरी ओर से साइबर अपराधी ने स्वयं को एसबीआइ का कर्मी बताते हुए कहा कि आपका बैंक अकाउंट बंद होने वाला है. अगर अकाउंट बंद नहीं करना है, तो आपके मोबाइल पर एक लिंक भेजा जा रहा है, उसे क्लिक कीजिए और ओटीपी नंबर बताइए. उक्त युवती साइबर अपराधियों के झांसे में आ गयी और उन्हें ओटीपी बता दिया. ओटीपी बताते ही उसके बैंक खाते से 16 हजार 999 रुपये निकाल लिया गया.

भीषण आग से 10 लाख की संपत्ति जलकर राख, घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

एजेंसी। पटना

बिहार के सहरसा के एक दिलदहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां शहर के दहलान चौक के पास स्थित गुप्ता परिसर में शनिवार देर रात एक मनिहारी-कॉस्मेटिक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैल गई कि कुछ ही मिनटों में पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। आग की लपटों ने देखते ही देखते भीतर रखे करीब 10 लाख रुपये के सामान को चपेट में ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के लोग भी दहशत में



आ गए। गोदाम मालिक दीपक गुप्ता ने बताया कि उनकी मुख्य दुकान सब्जी मंडी में है, जबकि गोदाम दहलान चौक के पीछे एंबेसी होटल के पास किराए के कमरे में स्थित है। रोज की तरह वह रात 9 बजे गोदाम बंद कर घर गए थे, लेकिन रात करीब 11 बजे स्थानीय लोगों ने फोन कर सूचना दी कि गोदाम से घना धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और तुरंत फायर ब्रिगेड को कॉल किया।

फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन संकरी गलियों और गोदाम में रखे ज्वलनशील सामग्री के कारण आग पर काबू पाना बेहद मुश्किल साबित हुआ। मनिहारी के सामान, प्लास्टिक, कॉस्मेटिक ज्वेलरी और अन्य आइटम होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब ढाई घंटे की लगातार मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। टीम ने बताया कि अगर आग कुछ और देर तक लगी रहती, तो आसपास के घरों और दुकानों को भी भारी नुकसान हो सकता था। पीड़ित दीपक गुप्ता ने बताया कि गोदाम में रखे सभी सामान जलकर नष्ट हो गए हैं। प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और मनिहारी के अधिकांश उत्पाद अत्यधिक ज्वलनशील होते हैं, जिससे आग तेजी से फैल गई और कुछ भी बचाया नहीं जा सका। उन्होंने इसे अपने लिए एक बड़ा आर्थिक झटका बताया है। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। पुलिस और फायर ब्रिगेड दोनों टीमें कारणों का पता लगाने में जुटी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो घटना एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती थी। फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया, लेकिन गोदाम और लाखों की संपत्ति जलकर राख हो चुकी है।

बिहार के शहरों को बड़ी राहत : बिजली होगी अब 1.40 रुपये प्रति यूनिट सस्ती

एजेंसी। पटना

बिहार के शहरी उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। राज्य की बिजली वितरण कंपनी ने एक बड़ा प्रस्ताव बिहार विद्युत विनियामक आयोग (इएफ्ठ) को सौंपा है, जिसके लागू होने पर राज्य में घरेलू और वाणिज्यिक दोनों श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली की मौजूदा दो-स्तरीय दरों को खत्म कर एक समान टैरिफ स्लैब लागू किया जा सकता है। इस कदम का सीधा लाभ लगभग 50 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिसमें 25 लाख शहरी घरेलू और 25 लाख वाणिज्यिक उपभोक्ता शामिल हैं। यदि आयोग इस प्रस्ताव को मंजूरी देता है, तो शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट बिजली 1.40 रुपये तक सस्ती हो जाएगी, जिससे उनके मासिक बिजली बिल में भी उल्लेखनीय कमी आएगी। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के जीएम



(राजस्व) अरविंद कुमार ने बताया कि वर्तमान में शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दो स्लैब लागू हैं–पहला 100 यूनिट तक और दूसरा 125 यूनिट तक। 125 यूनिट के बाद की खपत पर प्रति यूनिट अधिक दर वसूली जाती है, जो फिलहाल 5.52 रुपये प्रति यूनिट है। इसके कारण स्मार्ट प्रीपेड मीटर से कटने वाली राशि भी लगातार बदलती रहती है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि प्रत्येक यूनिट पर कितनी राशि कट रही है।नए प्रस्ताव के तहत कंपनी चाहती है कि 125 यूनिट से अधिक खपत पर भी एक ही दर–4.12 रुपये प्रति यूनिट–लागू हो। इस तरह उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 1.40 रुपये की बचत होगी, जो लंबे समय में बिजली बिल को काफी कम कर देगा। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए भी लगभग 5.67 रुपये प्रति यूनिट की एक समान दर का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और छोटे उद्यमों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है। कंपनी ने आयोग से अनुरोध किया है कि यह नया टैरिफ 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू किया जाए। इससे पहले इएफ्ठ प्रमंडल स्तर पर जनसुनवाई करेगा, जिसमें उपभोक्ता और विशेषज्ञ अपनी राय रख सकेंगे। जनसुनवाई पूरी होने पर आयोग अंतिम आदेश जारी करेगा और दरों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू होगी।अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान दर प्रणाली के कारण स्मार्ट प्रीपेड मीटर में कटने वाली राशि हर कुछ यूनिट पर बदलती रहती है। इससे उपभोक्ताओं को अपनी खपत का अनुमान लगाना मुश्किल होता है और बैलेंस की गणना भी जटिल हो जाती है। एक समान स्लैब लागू होने पर उपभोक्ता आसानी से समझ पाएंगे कि कितने यूनिट की खपत पर कितनी राशि कटेगी। इससे उनके बिलिंग अनुभव में पारदर्शिता बढ़ेगी और शिकायतें भी कम होंगी। अगर प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो शहरी घरों को हर महीने 100झ300 रुपये तक की बचत हो सकती है, जबकि छोटे व्यापारियों का बिजली खर्च भी काफी हद तक कम होगा। बिजली कंपनी का मानना है कि इससे उपभोक्ताओं पर भुगतान का दबाव कम होगा, बिलिंग सिस्टम सरल बनेगा और ह्यक्लियर बिलिंगह्ल की समस्या लगभग समाप्त हो जाएगी। यह प्रस्ताव बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत की बड़ी उम्मीद लेकर आया है–अब फैसला आयोग को करना है कि वह इस पर कब और कैसे क्रियान्वयन की औपचारिक घोषणा करता है।

एक नजर

आरा–छपरा फोरलेन पर बड़ा हादसा हाईटेंशन तार की चपेट में आने से कंटेनर चालक की मौत, वाहन में लगी आग

आरा। चलती कंटेनर अचानक सड़क के ऊपर से गुजर रहे बिजली के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। तार के संपर्क में आते ही कंटेनर के पिछले हिस्से में आग पकड़ ली, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। इस दौरान कंटेनर के ऊपर बैठा चालक करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलसकर बुरी तरह घायल हो गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए कोईलवर पीएचसी लाया गया, जहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना आरा-छपरा फोरलेन की है, जहां भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत जमालपुर बाजार के पास रविवार को बड़ा हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की। वही फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत मांझी डुमरी गांव निवासी अमर प्रसाद के 26 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार प्रसाद के रूप में हुई है। जो कंटेनर का ड्राइवर था और बंगाल में गाड़ी चलाता था।

वैशाली में पेट्रोल पंप पर लूट, हथियारबंद अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम

अपराधियों ने पेट्रोल पंप को निशाना बनाते हुए लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। घटना वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के साइन बाजार स्थित एक पेट्रोल पंप की है। जहां हथियारबंद अपराधियों ने लाखों की लूट को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार बाइक सवार तीन बदमाश शनिवार देर शाम पेट्रोल पंप पर पहुंचे और हथियार के बल पर कर्मचारियों को धमकाते हुए दो नोजल से करीब डेढ़ लाख रुपये लूट लिए। लूट के दौरान अपराधियों ने फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बेलसर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अपराधियों की तलाश तेज कर दी गई है।

जमुई में 50 हजार का इनामी अपराधी रामधारी तुरी अरेस्ट, पुलिस वैन की चपेट में आकर 3 ग्रामीण घायल

जमुई । जमुई की पुलिस ने 50 हजार के इनामी अपराधी रामधारी तुरी को अरेस्ट कर लिया है। झाझा थाना क्षेत्र के पनना गांव से पुलिस ने रामधारी तुरी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस वैन की चपेट में तीन ग्रामीण आ गये। जो घायल हो गये। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के एक अपहरण कांड मामले में रामधारी तुरी फरार चल रहा था। तभी पुलिस को इस बात की गुप्त सूचना मिली कि वह अपने कुछ साथियों के साथ पन्ना गांव में छिपा हुआ है। इसी सूचना के आधार पर झाझा थाने की पुलिस सादे लिबास में छापेमारी करने पहुंची। इस टीम में झाझा थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस को सादे लिबास में देखकर स्थानीय आदिवासियों को लगा कि वे किसी अपराधी गिरोह के सदस्य हैं। इसके बाद आदिवासियों ने अपने पारंपरिक ढोल-नगाड़े बजाने शुरू कर दिये और पुलिस की टीम को चारों ओर से घेर लिया। खुद को घिरा देखकर पुलिस इनामी रामधारी तुरी को गिरफ्तार कर उसे वैन में लेकर झाझा थाने की ओर जाने लगे तभी तीन ग्रामीण पुलिस की गाड़ी की चपेट में आ गये और घायल हो गये।

पटना में डबल मर्डर के आरोपी का एनकाउंटर, 2 पुलिसकर्मी भी घायल

एजेंसी। पटना

पटना के खुसरूपुर में 25 हजार का इनामी मिथुन कुमार मुठभेड़ में घायल। पुलिस पर फायरिंग की, बदले में पैर में लगी गोली। पिपरा डबल मर्डर का है आरोपी. राजधानी पटना के खुसरूपुर इलाके में शनिवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस और 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी मिथुन कुमार के बीच हुई इस मुठभेड़ में मिथुन पैर में गोली लगने से घायल हो गया है। पुलिस ने उसे दबोच लिया है। इस दौरान दो पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। मिथुन सालिमपुर थाना क्षेत्र के मझौली गांव का रहने वाला है और पिपरा डबल मर्डर केस का मुख्य आरोपी भी है। ग्रामीण एसपी अपराजिता लोहान ने बताया है कि मिथुन हत्या के प्रयास, डकैती, अवैध हथियार रखने और लूट जैसे कई मामलों में वांछित था। झारखंड में भी उस पर लूट का केस दर्ज है। गुप्त सूचना मिली कि वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने खुसरूपुर आया हुआ है। खुसरूपुर रल्हड की अगुवाई में विशेष टीम ने शेख मोहम्मदपुर के सामने फोरलेन



पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही मिथुन ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। मौके से एक खोखा और मिथुन पिस्टल बरामद हुई। घायल मिथुन को तुरंत ठटउल्ल भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी मामूली रूप से जख्मी हुए, जिनका इलाज चल रहा है। पिछले महीने रामकृष्णनगर थाने के पिपरा में दो सगे भाइयों की हत्या में मिथुन मुख्य आरोपी था। पुलिस ने उसे 25 हजार का इनामी घोषित किया था। इस गिरफ्तारी से इलाके में राहत की लहर है। पुलिस अब उसके साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मुठभेड़ स्थल को सील कर दिया गया है। फॉरेंसिक टीम सबूत जुटा रही है।

बिहार के कई जिलों में ठंड ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें, हवा भी हुई जहरीली

एजेंसी। पटना

नवंबर अभी आधा भी नहीं बीता है लेकिन बिहार में सर्दी ने अभी से ही जनवरी जैसी ठिठुरन पैदा कर दी है। शनिवार रात को पारा 10 डिग्री के नीचे लुढ़क गया है और कई जिलों में सड़कों पर दूधिया कोहरा छाया हुआ है। मौसम विभाग ने चेताया है कि यह ठंड अभी रुकेगी नहीं, बल्कि आने वाले दिनों में और तेज होगी। पटना-गया-बक्सर जैसे जिलों में सुबह-शाम की सिहरन ने लोगों को घरों में कैद कर दिया है। विशेष चिंता की बात यह है कि ठंड के साथ अब हवा भी जहरीली हो गई है और पटना का AQI 299 तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण बिहार के सीमावर्ती जिलों में ठंड सबसे ज्यादा है। रोहतास के नौहट्टा में न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा, गया में 10.1, नवादा 10.5, बक्सर 10.8, शेखपुरा 10.9 और पटना में 11.4 डिग्री दर्ज हुआ। फिलहाल लगभग पूरे बिहार का पारा 15 डिग्री से नीचे है। उत्तर-पश्चिमी पछुआ हवाएं 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं, जिससे ठंड लोगों को और चुभ रही। अगले 1-2 दिनों तक दिन का तापमान 20-30 डिग्री के बीच रहेगा, लेकिन कोहरे की वजह से



दिन में धूप का असर कम रहेगा। हवा में नमी की कमी से प्रदूषक कण फंसकर रह गए हैं जिस वजह से हालात और खराब हो रहे। पटना के बीआईटी परिसर के पास AQI 299 हो गया है जो 'खराब' श्रेणी में आता है। पीएम 2.5 का स्तर मानक से कई गुना ज्यादा है। सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन बढ़ गई है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। डॉक्टरों ने लोगों को मास्क लगाने और बाहर कम निकलने की सलाह दी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हिमालय में जल्दी बर्फबारी से ठंडी हवाएं बिहार तक तेज पहुंच रही हैं। अगले हफ्ते रात का पारा 10-16 डिग्री के बीच रहेगा या उससे कम भी हो सकता है। कोहरे की वजह से सड़क हादसे बढ़ सकते हैं इसकी सावधानी बरतनी बहुत ही ज्यादा आवश्यक है।

सीवान में भीषण बाइक भिड़ंत, एक की मौत और चार घायल, मचा कोहराम

एजेंसी। सीवान

सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बड़हरियाझमीरगंज मुख्य मार्ग पर स्थित जगतपुरा गांव के मिडिल स्कूल के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।मृतक की पहचान पकवलिया गांव निवासी रविन्द्र प्रसाद के रूप में की गई है। वहीं घायलों में पकवलिया गांव के नरेश यादव, तथा तिलसंडी 510 के अखलाख अहमद, विश्वनाथ और साबिर अली शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बड़हरिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो को गंभीर स्थिति देखते हुए सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।परिजनों के अनुसार, रविन्द्र



प्रसाद घर निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करते थे। प्रतिदिन की तरह वे देर शाम काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुरा मिडिल स्कूल के समीप पहुँची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रविन्द्र प्रसाद ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों की रफ्तार काफी तेज थी और सड़क पर अंधेरा होने के कारण हादसा और भी गंभीर रूप ले लिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों में से एक पर तीन लोग सवार थे, जिससे संतुलन बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में शोक का माहौल है।

चार दिनों के लिए बंद रहेगा पटना का गांधी मैदान, आम लोगों की एंट्री हुई बैन

एजेंसी। पटना

पटना का ऐतिहासिक गांधी मैदान अगले चार दिनों तक बंद रहेगा। कल यानी 17 नवंबर से 20 नवंबर तक आम लोगों के लिए गांधी मैदान में एंट्री बैन कर दी गई है। इस दौरान गांधी मैदान में आम लोगों का प्रवेश पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा। दरअसल, विधानसभा का चुनाव खत्म होने के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। सोमवार से नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। सीएम नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण



समारोह को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं।ड जानकारी के मुताबिक, इस बार नीतीश कुमार राजभवन में नहीं बल्कि गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। एनडीए की ऐतिहासिक जीत को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सेलिब्रेट किया जाएगा। गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर गांधी मैदान में साफ सफाई और सौंदर्यीकरण का काम तेज हो गया है। पटना जिला प्रशासन ने गांधी मैदान को आम लोगों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया है। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई राज्यों के सीएम शामिल होंगे। इस दिन कई विधायक भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जिलाधिकारी ने घोषणा की है कि 17 नवंबर से 20 नवंबर तक गांधी मैदान क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इस अवधि के दौरान मैदान में किसी भी तरह की सार्वजनिक गतिविधि या आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। शपथ ग्रहण समारोह की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को देखते हुए चार दिनों तक पूरा परिसर प्रशासनिक नियंत्रण में रहेगा। शपथ ग्रहण के दिन सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी।

उपेन्द्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात

एजेंसी। पटना



बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में प्रचंड बहुमत से जीत होने की खुशी में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले और उनको जीत की बधाई दी। इस बात की जानकारी उपेन्द्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दी। उन्होंने अपनी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि बिहार विधान सभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर आदरणीय नेता और बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई दी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात कर बाहर निकले तब उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि नया चुनाव हुआ है, तो फिर से नई सरकार के गठन की औपचारिकता पूरी की जाएगी। इसके लिए आपको थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। हमने बार-बार कहा है कि नीतीश कुमार सीएम थे, सीएम हैं और सीएम रहेंगे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 17 नवंबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते। - कहावत

बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजे सरकार पर भारी?

बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पहली बार स्वतंत्र भारत के इतिहास में इस तरीके के चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। वह भी उस समय जब चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर देशभर में अविश्वास देखा जा रहा है। चुनाव आयोग के खिलाफ कई पत्रकार-वाताओं के माध्यम से चुनाव आयोग की गड़बड़ियों एवं एक राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाने के तथ्य, सबूत के साथ उजागर किए जा चुके हैं। चुनाव आयोग द्वारा एक राजनीतिक दल के पक्ष में काम करने के आरोप लग रहे हैं। बिहार में वोट चोरी को लेकर एक यात्रा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा एकजुट होकर निकाली गई थी। इसको बिहार में काफी जन-समर्थन मिला था। एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पिछले कई महीने से बिहार का यह मामला चल रहा है। अभी तक इसके कोई सार्थक परिणाम अथवा आदेश सुप्रीम कोर्ट से नहीं आया है। इसी बीच बिहार में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अब चुनाव परिणाम भी आ गए हैं। बिहार विधानसभा के चुनाव में मतदान के पूर्व की जमीनी हकीकत कुछ और थी, जो चुनाव परिणाम आए हैं उनकी हकीकत कुछ और है। एनडीए गठबंधन ने 243 सीटों में से 202 सीटें जीतकर चुनावी इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह जीत सरकार के लिए क्या कष्ट का कारण बनेगी, यह आशंका बनने लगी है। इस जीत के कारण बहुत सारे राजनीतिक ध्रुवीकरण बिहार में चुनाव परिणाम के बाद देखने को मिल रहे हैं। बिहार का मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसको लेकर अभी से तरह-तरह की राजनीति उठा-पटक शुरू हो गई है। नेताओं के बीच में महत्वाकांक्षा जिस तरह से सामने आ रही है, चुनाव परिणाम के बाद भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, लोक जनशक्ति पार्टी में सत्ता संघर्ष का एक नया दौर शुरू हो गया है। एनडीए गठबंधन में सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस तरह से एक-दूसरे के खिलाफ रस्साकशी शुरू हो गई है, उससे बिहार के अंदर एक नई प्रतिक्रिया बिहार के नेताओं के बीच में देखने को मिल रही है। जिस तरह से चुनाव के दौरान गुजरात और बिहार के बीच में एक टकराव देखने मिला था। चुनाव परिणाम आने के बाद बिहार के नेताओं में इसे एक आशंका के रूप में देखा जा रहा है। इसमें एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सबसे ज्यादा आशंका व्यक्त की जा रही है, जो बिहार की राजनीति को किस मोड़ पर ले जाएगी यह कहना अभी मुश्किल है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुछ वर्ष पूर्व कहा था, भाजपा को अब क्षेत्रीय दलों की जरूरत नहीं है। उसके बाद से जिस तरह से उड़ीसा में भाजपा ने अपने ही सहयोगी नवीन पटनायक को ठिकाने लगा दिया। बिहार में नीतीश कुमार के लिए ऐसी स्थितियां पैदा कर दी हैं। एक तरह से नीतीश बाबू पूरी तरह से भाजपा के जाल में फंसकर बुरी तरह फड़फड़ा रहे हैं। उनकी पार्टी भाजपा की बंधुआ बन गई है। यदि नीतीश बाबू भाजपा की बात नहीं मानते हैं तो जिस तरह से पंजाब में शिरोमणि अकाली दल खत्म हुआ है, जिस तरह से महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार का राजनीतिक भविष्य लगभग लगभग खत्म हो गया है। भाजपा अपने सहयोगी दलों को किस तरह से खत्म करती है, इसे हरियाणा में भी देखा जा चुका है। ऐसी स्थिति में एनडीए के सहयोगी दलों के बिहार मूल के नेताओं में एक नई आशंका अभी से देखने को मिल रही है। एक बार बिहार मे भाजपा की सरकार बन गई। जिस तरह का केंद्रीय नेतृत्व भाजपा के अन्दर वर्तमान में है। मोदी-शाह की जोड़ी उन्हें कहां ले जाकर खत्म करेगी, इसको लेकर एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में ही सबसे ज्यादा बेचैनी देखने को मिल रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने अदानी के भ्रष्टाचार का मामला उठाया, उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। चुनाव आयोग के खिलाफ जिस तरीके का माहौल देश भर में बन रहा है, उसमें यह कहा जा रहा है कि सारे विपक्ष के नवनिर्वाचित विधायक विरोध दर्ज कराने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे सकते हैं।

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति



मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया- यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान। जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ?सा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस : भारत में छात्रों की वास्तविक स्थिति

- कांतिलाल मांडोत



आज विश्वभर में अंतरास्ट्रीय छात्र दिवस के रूप में हम मनाते है।हर राज्य, शहर और गांवो में नजर डाले तो छात्रो की परिस्थितिया अलग अलग परिभाषित होती दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस विश्वभर के विद्यार्थियों की संघर्षपूर्ण यात्रा, उनकी उपलब्धियों और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने का अवसर है। भारत जैसे विशाल और युवा देश में यह दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहाँ की लगभग 40% आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा प्रणाली से जुड़ी है। परंतु देश के करोड़ों बच्चों का वास्तविक जीवन, उनकी पढ़ाईझलिखाई की परिस्थितियाँ, आर्थिक,सामाजिक चुनौतियाँ, पढ़ाई का बोझ, होमवर्क, और स्कूलों के कठोर नियम इन सभी को समझे बिना छात्र दिवस की प्रासंगिकता अधूरी रह जाती है। भारत में छात्र सिर्फ डेस्क और किताबों तक सीमित चरित्र नहीं हैं।वे संघर्ष, सपनों और दायित्वों से जूझती हुई नई पीढ़ी का प्रतिबिंब हैं। आज का विद्यार्थी जहां डिजिटल युग की तेजी से बदलती दुनिया में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं गरीबी, असमानता, फीस का बोझ, संसाधनों की कमी, मानसिक दबाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे कई कारक उसकी पढ़ाई को प्रभावित कर रहे हैं। भारत के विद्यार्थी एक विषम परिस्थिति में जीवन गुजारते हैं। एक तरफ दुनिया तेज गति से शिक्षण को तकनीकी से जोड़ रही है, वहीं दूसरी ओर देश में अब भी हजारो बच्चे प्राथमिक स्तर पर स्कूल जाने से वंचित हैं। जो बच्चे स्कूल जाते भी हैं, वे संसाधनों की कमी, शिक्षकों की कमी, स्कूलों की असमान गुणवत्ता और आर्थिक संकट जैसी बाधाओं से टकराते हुए आगे बढ़ते हैं।छात्र यथार्थ से दो प्रकार से जूझते हैं,जिसमे पहला शैक्षणिक दबाव और दूसरा सामाजिक और आर्थिक दबाव है।जो परिस्थितियों पर चोट करता है।इन दोनों के बीच संतुलन बनाना हर बच्चे के लिए आसान नहीं होता, खासकर उन परिवारों के लिए जिनके लिए शिक्षा आज भी एक विलासिता जैसी लगती है। भारत में छात्रों को सबसे बड़ी जो कठिनाई झेलनी पड़ती है, वह है आर्थिक असमानता। करोड़ों परिवार ऐसे हैं जो मुश्किल से अपने बच्चों की स्कूल फीस, किताबें, यूनिफॉर्म और अन्य खर्च उठा पाते हैं।गरीबी के कारण शिक्षा पर प्रभाव पड़ता दिखाई देता है।लाखों बच्चे सरकारी स्कूलों पर निर्भर हैं, पर वहाँ भी कई बार आवश्यक संसाधनों की कमी होती है।लेकिन फिर भी सरकार हर खर्च अपने स्तर पर कार्य को अंजाम दे रही है।मध्यवर्गीय परिवारों में बच्चों की कोचिंग, ट्यूशन और स्कूल फीस एक बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है।ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की दूरी, परिवहन की कमी और कामकाज में बच्चों की मदद की मजबूरी पढ़ाई में बाधा डालती है।आज भी भारत के बहुत से बच्चे स्कूल के बाद किसी दुकान, ढाबे, खेत या छोटे-मोटे काम में माता-पिता का हाथ बंटाते हैं। यह आर्थिक बाध्यता बच्चों के अध्ययन समय को कम कर देती है और उनकी सीखने की क्षमता पर नकारात्मक असर डालती है। स्कूल शिक्षा में असमानता को दूर करना होगा।सरकार को देश मे समान शिक्षा लागू करने के लिए त्वरित निर्णय लेना होगा। निजी बनाम निजी स्कूल में बेहतर सुविधाएँ है लेकिन अत्यधिक फीस के कारण बच्चे पढ़ नही सकते है। सरकारी स्कूल में सस्ती या मुफ्त शिक्षा उपलब्ध है लेकिन कई जगह संसाधनों में कमी के कारण छात्र फायदा नही उठा पाते है।निजी स्कूल की चुनौतियाँ अत्यधिक है।अत्यधिक फीस हर महीने नई नई गतिविधियों का आर्थिक बोझ पड़ता है और यूनिफॉर्म, किताबें, परिवहन के भारी शुल्क से छात्र केमाता-पिता पर सामाजिक दबाव कि बच्चा अच्छे स्कूल में पढ़ रहा हो। सरकारी स्कूलों की चुनौतियाँ भी अपार है। शिक्षकों की कमी,इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, खेल-सुविधाओं और लाइब्रेरी की कमी और कई जगह शिक्षा की गुणवत्ता बहुत कमजोर होती दिखाई देती है।यह असमान व्यवस्था बच्चों के बीच असमानता को जन्म देती है। होमवर्क का बढ़ता बोझ और तनाव मुश्किलें पैदा करता है। भारत में विद्यार्थियों पर होमवर्क का बोझ असाधारण रूप से अधिक है।अक्सर कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को इतना अधिक होमवर्क दे दिया जाता है कि उनके खेलने और मानसिक विकास का समय छिन जाता है। होमवर्क के बोझ के प्रमुख कारण भी है।स्कूलों की प्रतिस्पर्धा, रैंकिंग का दबावऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के असाइनमेंट और परीक्षा आधारित मूल्यांकन यह बच्चों में तनाव, थकान, चिड़चिड़ापन और पढ़ाई से दूरी पैदा कर देता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि छोटे बच्चों को कम से कम होमवर्क दिया जाना चाहिए ताकि वे सीखने की प्रक्रिया का आनंद ले सकें। स्कूलों के कठोर नियम कायदे अनुशासन या मानसिक दबाव से छात्र की चिंता बढ़ जाती है।कई स्कूल बच्चों पर अत्यधिक अनुशासन और सख्त नियम लागू करते हैं।यह कोमल बाल के मष्तिष्क के लिए खतरनाक है।लंबे समय तक क्लास में लगातार टेस्ट,ड्रेस कोड की कड़ाई और नियम तोड़ने पर जुमार्ना,स्कूल बस, किताब या देर होने पर दंडसे बालक के मन मे नफरत पैदा हो जाती है।जहाँ अनुशासन आवश्यक है, वहीं अत्यधिक कठोरता बच्चों में भय और असुरक्षा पैदा करती है। शिक्षा का उद्देश्य सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ाना होना चाहिए, न कि दंड के माध्यम से दबाव बनाना। मानसिक तनाव, अवसाद और प्रतिस्पर्धा का दंश भारत में छात्र मानसिक स्वास्थ्य संकट से जूझ रहे हैं।परीक्षा में असफल होने का भय90% 95% अंक लाने की सामाजिक अपेक्षा,करियर को लेकर अनिश्चितता और माता-पिता का दबाव यह सब छात्रो को विपरीत दिशा की तरफ खिंचती है।सामाजिक तुलना में भीछात्र के मन मे एक प्रकार का दोष घर कर जाता है। कि फला के बच्चे ने इतना अच्छा किया, तुम क्यों नहीं? कई तथ्यों के अनुसार छात्र आत्महत्या के मामलों में भारत दुनिया में सबसे ऊपर है। यह आंकड़ा बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चों का मानसिक भार बढ़ा रही है। डिजिटल शिक्षा की दोहरी चुनौती भी है और अवसर भी, खतरा भी है।कोविड के बाद डिजिटल शिक्षा का विस्तार हुआ है, लेकिन डिजिटल खाई अभी भी व्यापक है। शहरों में टैब, मोबाइल, हाई-स्पीड इंटरनेट ऑनलाइन क्लास और डिजिटल कंटेंट व गांवों में नेटवर्क की कमी मोबाइल फोन का अभाव साझा उपकरणों पर निर्भरता के ये सभी कारण छात्र को विचलित करने का काम करते है। डिजिटल संसाधनों की कमी के कारण ग्रामीण और गरीब बच्चों की पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है।

छात्र की अन्य चुनौतियाँ भी है। परिवहन, सुरक्षा, सामाजिक दबाव परिवहन समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता है।स्कूलों तक आते-जाते समय छात्राओं की सुरक्षा कई क्षेत्रों में एक बड़ी समस्या है।कई बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। खाली पेट स्कूल जाने से उनका ध्यान केंद्रित नहीं रहता। सामाजिक दबाव भी आज के परिपेक्ष्य में विरोधभास पैदा कर रही है।

श्रद्धांजलि का पात्र बना गोदी मीडिया

-तनवीर जाफरी



अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फिल्म जगत में ही मैन के नाम से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूँ। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय खान,दारा सिंह,रणजीत,देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। परन्तु इत्तेफाक से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिये न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफाक से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिये दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नजर इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुये सांसद थे। मैं उन्हें देखकर जोर से बोल पड़ा --अरे ...बीरु .. और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ दोनों हाथ बढ़ाते हुये जोर से कहा --आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ तेजी से बढ़ा ,उन्होंने बी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुये इतनी जोर से उठाया की मेरे दोनों पैर जमीन से ऊपर उठ गये। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूँ। बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना गोदी मीडिया ने देश के उस हरदिलअजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी खबरों में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक़्क़त होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टी आर पी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य सबसे तेज को साकार करने के मकसद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे खासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफवाहें तेजी से फैला दीं। ऐसी अफवाहबाजी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंहवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी,अभिनेत्री भाग्यश्री, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख़्तर यहाँ कि खुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी खबर पर विश्वास करते हुये धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किये ? यहाँ तक कि कई बड़े अखबारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी खबर पर विश्वास हुये मुख्य पृष्ठ पर खबरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किये अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हँसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुये अपने घर जाते नजर आये।

परन्तु पहले भी इस तरह की अफवाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज्यादा ही मुँह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मीडिया हद से ज्यादा सक्रिय है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। उसके फौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने एक्स (ट्विटर) पर गुस्से में लिखा कि जो हो रहा है वो अक्षम्य है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? ये बेहद असम्मानजनक और गैर -जिम्मेदाराना है। परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें। बाद में अभिनेता पुत्र सनी देओल की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफवाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। इस अफवाहबाज गोदी मीडिया को सबसे अधिक जलालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही गैर जिम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी राजिनीकांत कभी शाहरुख खान तो कभी फरीदा जलाल कभी लता मंगेशकर,राजेश खन्ना,कॅटरीना कैफ व आयुष्मान खुराना जैसे कई कलाकारों को उनके जीवित रहते हुये भी मारने की खबरें चलाता रहा है। इस बार तो धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने व गोदी मीडिया को देश की पत्रकारिता पर कलंक समझने वाले देश के एक प्रबुद्ध वर्ग ने ऐसी पत्रकारिता ऐसे ऐंकरों व ऐंकराओं की तो धज्जियाँ उड़ाकर रख दीं। सीधे तौर पर धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबर शोकपूर्ण भाव भंगिमा से पेश करने वाली गोदी मीडिया की उस बदनाम ऐंकरा के चित्र पर ही माला डालकर उसी को श्रद्धांजलि अर्पित कर डाली। लाखों लोगों द्वारा ऐसी गैर जिम्मेदाराना पत्रकारिता की घोर भर्तस्ना की गयी। कई मशहूर यू ट्यूबर पत्रकारों ने धर्मेंद्र की बीमारी के संबंध में तो नहीं परन्तु अफवाहबाज मीडिया द्वारा फैलाई गयी धर्मेंद्र संबंधी अफवाह को लेकर विशेष कार्यक्रम जरूर बनाये और गैर जिम्मेदार गोदी मीडिया की जम कर धुलाई की।

गुजरात के डेडियापडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य आदिवासी समागम

-कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक परिदृश्य में आदिवासी समाज की भूमिका आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जनजातीय पहचान, अस्मिता, अधिकार और विकास ये सभी मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। इसी पृष्ठभूमि में गुजरात के डेडियापडा में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था, बल्कि यह आदिवासी गौरव और राष्ट्रीय सम्मान का सम्मिलित चित्र भी प्रस्तुत करता है।बीरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी ने जनजातीय परंपराओं, पोशाकों और नायकों को गौरवमयी स्थान दिया। विशेष रूप से, जब मोदी ने स्वयं आदिवासी पारंपरिक पोशाक धारण कर बिरसा मुंडा को नमन किया, तब पूरा वातावरण भावनात्मक और उत्साह से भर उठा। आदिवासी गौरव का राष्ट्रीय प्रतीक है।मोदी ने कहा कि बीरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा हैं।उनका अग्रसक्रिय योगदान, संघर्ष और जनजागरण ने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने अत्याचारों का विरोध किया, उलगुलान यानी महान क्रांति का नेतृत्व किया और अपने अल्प जीवन में वह कर दिखाया जो कई पीढ़ियाँ नहीं कर पातीं।मोदी ने मंच से स्पष्ट कहा कि आदिवासी समाज ने देश का मान, सम्मान और संस्कृति को जिंदा रखा है। भारत का इतिहास आदिवासी वीरता के बिना अधूरा है।ये शब्द केवल प्रशंसा नहीं थे, बल्कि वर्षों से मुख्यधारा इतिहास में उपेक्षित आदिवासी योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने का एक सशक्त संदेश था। आदिवासी पोशाक में मोदी का संदेश प्रतीकात्मक नहीं, आत्मीय था।प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा धारण की। यह केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं था, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति के प्रति सम्मान, आत्मीयता और कृतज्ञता का भाव था। हजारों आदिवासी भाई-बहन अपने पारंपरिक नृत्य, गीत और परिधानों में उपस्थित थे। जब उन्होंने देखा कि देश का प्रधानमंत्री उनके रूप में, उनकी भाषा और उनके चिह्नों के साथ मंच पर खड़ा है, तो यह पल उनके लिए गर्व का क्षण बन गया।मोदी का यह कदम संदेश देता है कि आदिवासी केवल वोटबैंक नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के केंद्र में हैं। चार किलोमीटर का विशाल रोड शो जनसमर्थन का सागर झलक उठा।डेडियापडा में पीएम मोदी का लगभग 4 किलोमीटर लंबा रोड शो अभूतपूर्व रहा। हजारों-लाखों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े थे। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने पारंपरिक संगीत, ढोल और लोकगीतों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया।कई स्थानों पर लोगों ने फूल वर्षा की, कहीं ढोल-नगाड़ों से स्वागत हुआ, तो कहीं जनजातीय नृत्य मंडलियों ने रोड शो को उत्सव में बदल दिया।यह जनसमर्थन यह दर्शाता है कि आदिवासी समाज के दिल में मोदी सरकार के प्रति गहरा विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव है।कांग्रेस पर प्रहार किया। स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी योगदान की उपेक्षा का आरोप अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी वीरों के योगदान को इतिहास से मिटाया। जिन आदिवासियों ने अंग्रेजों से सीधे संघर्ष किए, उनकी बात तक किताबों में नहीं लिखी गई।मोदी की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आजादी के संघर्ष में बिरसा मुंडा, टांट्या भील, सिद्धो-कान्हू, रानी दुर्गावती, रानी गाइडिनल्यू जैसी असंख्य जनजातीय हस्तियों को लंबे समय तक मुख्यधारा इतिहास-लेखन में स्थान नहीं मिला।

आज का राशिफल

मेष योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्य कारोबार में आने वाली परेशानियों से बचाएंगे।

वृषभ मिश्रित फलदायी रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां खड़ी हो सकती हैं।

मिथुन आने वाले दिनों को देखते हुए अपने वस्त्र, आभूषण और अन्य जरूरी सामान का रखरखाव करवा लें।

कर्क आज दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। आज ढ़ेर सारे काम आपका इंतजार कर रहे हैं।

सिंह आज अपने कामकाज के साथ रोमांस और व्यक्तिगत इच्छाओं पर भी ध्यान देना होगा।

कन्या आज प्रेम, रोमांस और भाग्य को ज्यादा महत्व देने के बजाय रचनात्मक कार्यों में ध्यान देना होगा।

तुला इसके साथ ही आपको कुछ जरूरी कदम भी उठाने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक आपके मनचले स्वभाव के कारण प्रेम और नफरत के बीच अस्थिरता बनी रहेगी।

धनु कुछ लोगों को अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में मेहनत करनी पड़ेगी।

मकर आज दिन शुभ रहने वाला है। आपका दिन करियर, दाम्पत्य जीवन और परिवार पर केंद्रित रहेगा।

कुंभ किसी साथी या पड़ोसी की कही बात पर अचानक गुस्सा आ सकता है।

मीन आज बृहस्पति की कृपा प्राप्त हो रही है। कार्यक्षेत्र में आपको यश प्राप्त होता दिख रहा है।

विशेष

भाजपा ने बिहार में नीतीश कुमार को नाथ दिया

बिहार के जो चुनाव परिणाम सामने आ रहे हैं। उसमें स्पष्ट हो गया है, नीतीश कुमार अब चाह कर भी पलट नहीं पाएंगे। भाजपा ने उन्हें पूरी तरह से नाथ दिया है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। जिस तरह से अन्य पार्टियों को बिहार चुनाव में बहुमत मिला है।उसमें नीतीश कुमार अन्य किसी के साथ गठबंधन करके स्पष्ट बहुमत की सरकार नहीं बना सकते हैं। नीतीश कुमार अब पलट नहीं पाएंगे। बिहार चुनाव में भाजपा ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। केंद्र की सत्ता को भी मजबूत किया है। बिहार की सत्ता में अपने आपको मजबूत बना लिया है। बिना भाजपा के कोई भी दल स्पष्ट बहुमत की सरकार बिहार में नहीं बना सकता है। यह चमत्कार केवल भाजपा ही कर सकती है। यह राजनेता कहने लगे हैं।

बिहार चुनाव परिणाम का अजीर्ण

चुनाव आयोग की मेहरबानी से बिहार विधानसभा चुनाव के जो परिणाम आए है। उसमें एनडीए गठबंधन की हाल फिलहाल बल्ले बल्ले कर दी है। अब इस बल्ले बल्ले के बाद बिहार के एनडीए गठबंधन में मुख्यमंत्री बनने और नितीश बाबू की हालत को देखते हुए बिहार के नेताओं में विशेष रूप से चिराग पासवान और अन्य बिहार के नेता अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो गए हैं। एक बार गुजराती जोड़ी आएगी,तो उन्हें कहां ले जाकर छोड़ेगी। इसका भय नितीश बाबू की हालत देखकर सब मे दिखने लगा है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल अब फूंक फूंक कर कदम रख रहे हैं। विभिन्न नेताओं के बीच में जो खराब रिश्ते थे।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1525: बाबर सिंध के रास्ते से भारत में पांचवी बार आया। १८५७: आजादी की पहली लड़ाई लखनऊ में ठंडी पड़ गयी। 1913 पनामा नहर से पहला जहाज गुजरा। 1915: भारतीय सेवा में विद्रोह भड़काने के लिए विष्णु गोपाल पिंगले को तालेगांव जेल में फांसी दी गयी। 1928: लाला लाजपत राय की मौत हुई। 1932: तीसरा गोलमेज सम्मेलन शुरू हुआ। 1954: जनरल गमाल अब्दुल नासिर ने मिस्त्र में सत्ता संभाली। 1963: इराक में सेना ने अब्दुल सलाम आरिफ के नेतृत्व में सत्ता पर कब्जा किया। 1976: चीन ने सबसे बड़ा परमाण विस्फोट किया। 1988: पाकिस्तान में बेनजीर भुट्टो की पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली। 1989: बल्गारिया की संसद ने राष्ट्राध्यक्ष टोडोर जिवकोव को बरखास्त किया।

दैनिक पंचांग

17 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.16 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.32 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.37 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.23 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.56 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.27 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.07 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.05 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.18 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.34 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		कन्या	01.46 बजे से
		तुला	03.57 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 321 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि त्रयोदशी अहोरात्र।
नक्षत्र चित्रा 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** प्रीति 07.23 बजे को समाप्त। **करण** गर 17.59 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 59'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872531
जूलियन दिन 2460996.5
कलियुग संवत् 5126
**कल्पारंभ

संक्षिप्त समाचार

बिहार के जनादेश का होगा दूरगामी प्रभाव : पीएन सिंह

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह ने बिहार में एनडीए की शानदार जीत पर बधाई दी है। कहा कि बिहार के जनादेश का देश की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। बिहार की जनता बता दिया है कि अब जात-पात, धर्म की राजनीति नहीं होगी। हर वर्ग ने पीएम नरेंद्र मोदी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर भरोसा जताया है। आने वाले दिनों में यह और बढ़ेगा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने बिहार में एनडीए की जीत का स्वागत किया है। कहा कि यह परिणाम आशा के अनुरूप है। भाजपा नेता संजय झा, नितिन भट्ट, भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष अमलेश सिंह ने भी जीत पर बधाई दी है। बिहार में एनडीए की बंपर जीत पर भाजयुमो महानगर महामंत्री तमाल राय के नेतृत्व में केंदुआपुल में आतिशबाजी की गयी। मिठाई बांटी गयी। श्री राय ने कहा कि भारी जनादेश विकास, महिला, सुरक्षा, सुशाशन, और गरीब कल्याण के लिए उसके कार्यों पर जनता की मुहर है।

बिरसा मुंडा की 150 जयंती पर उलिहातू में राजकीय कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड के 25वें स्थापना दिवस को पूरे राज्य में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू में भव्य कार्यक्रम आयोजित की गई है। इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम के शामिल होने की उम्मीद है। समारोह की शुरुआत में, विशिष्ट अतिथि बिरसा ओड़ा पहुंचेंगे और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद वे बिरसा परिसर में स्थापित आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। ये अतिथि स्टेडियम के मुख्य मंच पर भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को सम्मानित करेंगे। 2 ।5 करोड़ रुपये की लागत से बिरसा ओड़ा के जीर्णोद्धार का भी शिलान्यास किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की चपेट में आई बाइक: दो की मौत, एक जख्मी

गुमला, एजेंसी। जिला में डुमरी थाना क्षेत्र के बासा नदी पुल के समीप शनिवार शाम तीन से चार बजे के करीब एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। इस हादसे में मारे गये लोगों में रूपेश एक्का (28 वर्ष) पिता- जेनेरियूस एक्का ग्राम कठगांव और लुईस मिंज (65 वर्ष) पिता- स्व। लुकास मिंज ग्राम शेखपुर शामिल हैं। वहीं घायल नवीन तिग्गा (25 वर्ष) पिता- जेराल तिग्गा ग्राम शेखपुर का ही रहने वाला है। इस दुर्घटना के बाद क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी तो मौके पर डुमरी पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से फौरन घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी पहुंचाया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल अज्ञात वाहन की तलाश जारी है। इस घटना को लेकर डुमरी थाना प्रभारी शशि प्रकाश ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन जब्त कर लिया गया है और दोनों शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद रविवार को पोस्टमार्टम के लिए गुमला भेजा जाएगा।

12 डिग्री पर कांप रहा धनबाद, ना बंटा कंबल, ना ही जल रहा अलाव

धनबाद, एजेंसी। सर्दी बढ़ रही है और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह रहा है। रात में कोहरा भी पड़ने लगा है, लेकिन शहर में बड़ी संख्या में असहाय लोग सड़कों के किनारे रात गुजारने को मजबूर हैं। उनके पास सर्दी से बचाव का कोई साधन नहीं है। किसी ने पॉलिथीन ओढ़कर तो कोई पुराने फटे पुराने कंबल के सहारे ठंड से राहत पाने का प्रयास करता नजर आता है। शहर में हीरापुर, सरायढेला, स्टेशन रोड समेत अन्य कई स्थानों पर असहाय लोग सड़क किनारे ठंड से परेशान नजर आते हैं। जिले में नवंबर माह की शुरुआत से ही ठंड ने असर दिखना शुरू कर दिया। 15 दिनों के अंदर तापमान गिर कर 12 डिग्री के आस-पास पहुंच गया है। आने वाले दिनों में इसमें और गिरावट के आसार हैं। हर साल असहाय लोगों के बीच प्रशासन की तरफ से कंबलों का वितरण किया जाता है, लेकिन इस बार अभी तक कंबलों की खरीद तक नहीं हो पायी है। वहीं नगर निगम की तरफ से अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गयी है। ऐसे में लोग कचरा जला कर किसी तरह जान बचा रहे हैं। जिले में शाम ढलने के साथ ही ठंड का असर बढ़ जा रहा है। सुबह में दिन चढ़ने के साथ ही ठंड का असर थोड़ा कम हुआ, लेकिन शाम होने के साथ ही चल रही ठंडी हवा लोगों को परेशान करने लगी। जिले में गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल का वितरण होना है। 72 हजार 887 कंबल की खरीदारी होनी है। डबल प्ले वाला प्रति कंबल का वजन करीब दो किलो होगा। प्रशासन ने कंबल खरीद के लिए टेंडर जारी किया है, जो 28 नवंबर को खुलेगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा झारखंड

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती पर शनिवार को टाउन हॉल में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले के सभी विभाग की ओर से परिसंपत्तियों, नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित को सम्मानित किया गया। इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने सभी को झारखंड की परंपरा और संस्कृति को संरक्षित रखने की शपथ दिलायी। समारोह में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और महिला सशक्तिकरण सहित अन्य दिशाओं में राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह दर्शाता है कि राज्य में विकास की गति अच्छी है। निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने सुदृढ़ और समृद्ध झारखंड बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान अलग राज्य निर्माण में अहम भूमिका निभाने के लिए शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो, एके राय, शहीद निर्मल महतो, शक्ति नाथ महतो को नमन किया गया।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा : राज्य के सतत विकास और प्रगति के लिए सभी प्रयत्नशील रहें। झारखंड निर्माण के 25 साल पूरे हुए हैं। प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण, सुंदर और समृद्ध झारखंड हम सबको गौरवान्वित करता है। यहां के महान और संघर्षशील पूर्वजों से समृद्ध संस्कृति, भाषा और सभ्यता हमें विरासत में मिली है।

जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, उपाध्यक्ष सरिता देवी, डीडीसी सादात अनवर, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीएफओ विकास पालीवाल, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ



एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, एसडीओ राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, एनडीसी दीपक कुमार दुबे, डीइओ अभिषेक झा, सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार, डीएसडब्ल्यूओ स्नेह कश्यप आदि पदाधिकारी थे।

स्वास्थ्य विभाग व स्थापना शाखा की ओर से नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। जिला स्थापना शाखा में अनुकंपा पर नवनियुक्त लिपिक सिल्वर मुर्मू, प्रियांशु कुमार, अमृता कुमारी व अनुसेवक सुभाष तथा स्वास्थ्य विभाग में आयुष्मान मित्र के पद पर नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

समारोह में मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत 171 युवाओं के बीच उपायुक्त, टुंडी व निरसा विधायक ने ऑफर लेटर का वितरण किया। कार्यक्रम का संचालन झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के निर्देशन में जिला कौशल पदाधिकारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में किया गया।

कौशल प्रशिक्षण के सिलाई ट्रेड से 94 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जबकि हेल्थ केयर सेक्टर से 31, वेयरहाउस एसोसिएट से छह, ब्यूटी एंड वेलनेस सेक्टर से 22 और अन्य ट्रेडों से आठ प्रतिभागियों को ऑफर लेटर दिया गया। सभी ने कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया था। चार उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को टूल किट दिया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत लाभुकों को आर्थिक सहायता दी गयी। जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह सहित वरीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने पुटकी के राज किशोर महतो को 95,000 रुपये, धनसार की ललिता देवी को 10,09,000 रुपये तथा तोपचांची के गोविंद प्रसाद सिंह चौधरी को 9,50,000 रुपये की परिसंपत्ति बांटी। जिला उद्योग केंद्र के नोडल पदाधिकारी आदित्य चौधरी व इओडीबी प्रबंधक भी समारोह में शामिल थे।

जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा 10 नव चयनित सेविका व सहायिका को चयन पत्र तथा पांच लाभुकों को स्वेटर का वितरण किया गया। धनबाद सदर के बगुला दो आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एमेली सोरेन, धैया की मुनमुन मंडल, बांसजोड़ा 12 नंबर की निर्मला, कुम्हारपट्टी दो की सहायिका सुमन कुमारी, कोला कुसमा की सरिता देवी, बाघमारा के अंगारपथरा 12 नंबर की उर्मिला देवी, तोपचांची के बिच्छाकाटा की जुबेदा खातून, मोहलीडीह की रीता कुमारी, बलियापुर के मल्लिकडीह कि प्रीति कुमारी एवं परघा नया टोला की सहायिका अनिता कुमारी को चयन पत्र दिया गया। बाबूडीह आंगनबाड़ी केंद्र के आराध्या कुमारी, छोटी कुमारी, प्रिंस कुमार, लक्ष्मी कुमारी व अंजलि कुमारी को स्वेटर दिया गया।

खूंटी में धारदार हथियार से काटकर दंपती की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी, एजेंसी। जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र की लांदुप पंचायत अंतर्गत नीचे टोला में अपराधियों ने एक घर में घुसकर दंपती की निर्मम हत्या कर दी है। मृतकों में कानू मुंडा (66) और उनकी पत्नी गौरी देवी (64) शामिल है।जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मृत दंपति के बेटों ने बताया कि जब वो शनिवार की सुबह उठे तो उनके घर का कुंडी बाहर से बंद था और जिस घर में उनके माता-पिता सोते थे वहां का दरवाजा खुला था। साथ ही घर के अंदर खून बिखरा हुआ था और जमीन पर दोनों के शव पड़े थे। परिजनों के अनुसार गांव के लगभग सभी घरों के दरवाजे की कुंडी बाहर से बंद थी। परिजनों ने बताया कि उनके माता-पिता की किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में दोनों की हत्या क्यों की गई यह समझ से परे है। हालांकि मृत दंपति के बेटों ने बताया कि उनके माता-पिता नशा करते थे।

वहीं इस संबंध में लांदुप पंचायत के मुखिया मंगा नाग ने बताया कि मृतक के



परिजनों ने उन्हें सूचना दी थी। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को वारदात की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई है।

परिजनों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार अपराधियों ने दंपती को इतनी बेरहमी से काटा है कि मृतका गौरी देवी के चेहरे पर गहरे घाव और हाथ कटा हुआ पाया गया है। जबकि मृतक कानू मुंडा के सिर और चेहरे को बुरी तरह काटा गया है। वहीं डबल मर्डर के बाद लोगों में दहशत व्याप्त है। उधर, डीएसपी वरुण रजक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें सुबह सूचना मिली थी कि मारंगहादा इलाके में एक दंपती की बेरहमी से काटकर हत्या कर दी गई है।

बिहार चुनाव परिणाम पर पूर्व सीएम रघुवर दास का बयान, कहा-विकास, सुशासन और परफॉर्मेंस की हुई जीत

रांची, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम से भाजपा गदगद है। एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवार दास ने बयान दिया है। उन्होंने एनडीए को मिली प्रचंड जीत को विकास, सुशासन और परफॉर्मेंस की जीत बताया है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि बिहार में जिस तरह एनडीए को प्रचंड जीत मिली है वह यह दर्शाता है कि विकास, सुशासन और परफॉर्मेंस की जो राजनीति पीएम मोदी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों से और बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो सरकार चल रही है उसमें विकास, सुशासन और कानून व्यवस्था की स्थिति और परफॉर्मेंस की राजनीति को अब सारे देश के लोग पसंद करते हैं। यही कारण है कि एनडीए बिहार में जन-जन के हृदय में पहुंच चुका है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बिहार की जनता का सराहना करते हुए कहा कि आजादी के बाद बिहार की जनता ने इतना प्रचंड बहुमत दिया है इसके लिए मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित तमाम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देता हूं।



रघुवर दास ने कहा कि बिहार की जनता लोकतंत्र की जननी है। जिसने देश-दुनिया को फिर संदेश देने का काम किया है कि बिहार की जनता जाग चुकी है। जातिवाद, संप्रदायवाद को खत्म कर देश के हित में बिहार के हित में, एक विकसित बिहार के हित में अपना मतदान किया है। इसलिए मैं बिहार की जनता को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि बिहार सही मायने में लोकतंत्र की जननी है।

बिहार के चुनाव परिणाम का झारखंड में असर पड़ने के लगाए जा रहे अनुमान पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए रघुवर दास ने कहा कि हर प्रदेश की अलग-अलग स्थिति होती है, लेकिन जिस तरह से राज्य में सरकार चल रही है और जनता ने इस सरकार जिस आशा और आकांक्षा से जनादेश देने का काम किया था, उस जनादेश और जनता की आकांक्षा और अपेक्षाओं पर वर्तमान सरकार खरा नहीं उतर पाई है।

उन्होंने कहा कि मैं आज स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य सरकार को भी कहना चाहूंगा की जनता से जो आपने वादे किए थे उसे पूरा करें, नहीं तो जो जनता चढ़ाना जानती है तो वह सत्ता से उतारना भी जानती हैं।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत को झामुमो ने बताया ज्ञानादेश घाटशिला में पार्टी प्रत्याशी की जीत पर कही ये बात

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा की घाटशिला सीट पर हुए उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत को झामुमो ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन और पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को जनता की ओर से दी गई श्रद्धांजलि करार दिया है।

बिहार विधानसभा चुनाव और घाटशिला उपचुनाव की तस्वीर करीब-करीब साफ हो जाने पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी के केंद्रीय कैंप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव के जो नतीजे आये हैं उससे साफ है कि यह जनादेश नहीं, बल्कि ज्ञानादेश है। हालांकि झामुमो नेता यह कहने से नहीं चूके कि अगर बिहार चुनाव में हम साथ होते तो महागठबंधन मजबूत होता। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने घाटशिला की जीत के लिए वहां की जनता का आभार जताते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने कहा कि 2024 घाटशिला चुनाव की अपेक्षा इस बार लगभग दोगुने वोटों के अंतर से और प्रचंड बहुमत के साथ हमारे प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की ऐतिहासिक जीत हुई है। उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे गुरुजी शिबू सोरेन और दिवंगत रामदास सोरेन को सच्ची राजनीतिक श्रद्धांजलि है।

जेएमएम नेता ने कहा कि पूरे चुनाव में पार्टी ने विकास और रचनात्मक राजनीति की, जबकि भाजपा और खासकर उसके प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने नकारात्मक राजनीति की।



उन्होंने जनजातीय समुदाय को बांटने का काम किया, लेकिन घाटशिला की जनता ने नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह बेनकाब कर दिया। झामुमो के केंद्रीय महासचिव ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को सलाह दी कि वह बाबूलाल मरांडी जैसे नकारात्मक सोच की राजनीति करने वाले नेता को साइड करें।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी बिहार में लोकतंत्र की हत्या की गई है। 100 सीटों पर लड़ना और 95 सीटें जीत लेना यह सामान्य नहीं, समीक्षा का विषय है।

बिहार विधानसभा चुनाव में राजद, कांग्रेस और वाम दलों द्वारा झामुमो को तरजीह नहीं दिए जाने पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम साथ होते तो महागठबंधन मजबूत होता। उन्होंने कहा कि आदिवासी, दलित और वंचितों के संघर्ष की पूरी समझ कांग्रेस, राजद और वाम नेतृत्व को कम है।

दो पेड़ों के नीचे शुरू हुआ 'कपड़ों का अस्पताल', आज बना उम्मीद का सहारा, स्थानीय लोग बोले- सुनील जैसा दिल चाहिए साहब

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के बीचो बीच, जहां बड़ी-बड़ी ब्रांडेड कंपनियों के शो-रूम लोगों को आकर्षित करते हैं, वहीं दो पेड़ों के नीचे बैठा एक साधारण-सा दर्जी आज हजारों दिलों को छू रहा है। सुनील स्वांसी नाम का यह युवक कभी ओरिएंट क्राफ्ट और ब्लैकबेरी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करता था। लेकिन उसने अपने हुनर को सिर्फ नौकरी तक सीमित नहीं रखा बल्कि उस हुनर को लोगों की मदद और आत्मनिर्भरता का जरिया बना दिया।

सुनील की कहानी शुरुआत में इतनी बड़ी नहीं थी। हाथ में सिलाई मशीन, पैरों के सहारे चलती पुरानी साइकिल और ऊपर छांव देने के लिए दो पेड़, यही उसकी पहली दुकान थी। वह रोज यहां बैठता, कपड़ों की सिलाई करता और थोड़ा-बहुत कमाकर घर ले जाता। लेकिन उसके दिल में कुछ और बड़ा करने की इच्छा थी- कुछ ऐसा, जो सिर्फ उसके लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए भी मायने रखे।

समय बदला, मेहनत रंग लाई। आज सुनील चारपहिया वाहन में कपड़ों का सामान लाता है और उसी पेड़ के नीचे बैठकर लोगों की सिलाई करता है। काम इतना बढ़ गया कि दिनभर दर्जनों ग्राहक



आते रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दर्जी तो बहुत देखे हैं, लेकिन सुनील जैसा दिल वाला कम ही देखने को मिलता है। सुनील ने अपने छोटे-से सेंटर का नाम रखा है 'कपड़ों का अस्पताल'। वह बताते हैं, यहां पुराने कपड़ों को मैं नया जीवन देता हूं, जैसे अस्पताल में मरीजों को नया जीवन दिया जाता है। फटे कपड़े मैं सी देता हूं। जिनके पास पहनने को कपड़े नहीं, उन्हें मैं बैंक के जरिए मुफ्त कपड़े देता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप योजना से प्रेरित इस युवक ने खुद को आत्मनिर्भर बनाया, और अब दूसरों को रोजगार देने का सपना देख रहे हैं। सुनील बताते हैं कि अब काम इतना बढ़ गया है कि मैं चाहता हूं बेरोजगार युवक-युवतियों को यहां काम सिखाऊं। जो सीखना चाहे, मैं मुफ्त में सिखाऊंगा और अपने साथ काम भी दूंगा। रोजगार अच्छा हो जाएगा क्योंकि अपना काम अपना ही होता है।

सुनील का कहना है कि महानगरों में उन्होंने वर्षों तक काम किया, लेकिन वहां मेहनत ज्यादा और आय कम थी। इसलिए मैंने रांची लौटकर अपना स्टार्टअप शुरू किया। मैं अपने प्रयास से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने की कोशिश कर रहा हूं। उनका यह जज्बा आज स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा बन चुका है।

रांची के राहगीर भी सुनील की दुकान देखकर रुक जाते हैं। एक बुजुर्ग ने भावुक होकर कहा हम गरीबों के लिए सुनील बेटा भगवान का भेजा हुआ है। इस जमाने में बिना स्वार्थ के कोई कपड़ा संग्रहित करके उसको गरीबों के बीच बांटता है क्याइस शहर में बड़े-बड़े शो-रूम हैं, लेकिन असल में बड़ा आदमी तो यही है।

जनजातीय गौरव दिवस: पीएम नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को किया सम्मानित

खूंटी, एजेंसी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पीएम के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों को सम्मानित किया गया। गुजरात के नर्मदा जिला में आयोजित कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के वंशज बुधराम मुंडा और रवि मुंडा को विशेष आमंत्रण मिला था। जहां उन दोनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सम्मानित किया गया।

गुजरात के नर्मदा जिला में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धा सुमन अर्पित की। इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने 14 आदिवासी जिलों के लिए 250 बसों को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय गौरव सैकड़ों वर्षों से हमारे देश की चेतना का अभिन्न अंग रहा है।

आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2014 से पहले भगवान बिरसा मुंडा को कोई याद करने वाला नहीं था। लेकिन आज पूरे भारत में कई जनजातीय संग्रालय बनाए जा रहे हैं।



भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर झारखंड के खूंटी जिला के विभिन्न स्थानों पर जयंती समारोह और जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। शहर के कचहरी मैदान में आयोजित समारोह में केंद्रीय जनजातीय मंत्री जुएल ओराम, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पद्मभूषण कड़िया मुंडा सहित कई नेताओं ने बिरसा मुंडा को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर वहीं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा खूंटी जिला में स्थित भगवान बिरसा की जन्मस्थली उलिहातू में भगवान बिरसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण और रथ पूजन के पश्चात 'भगवान बिरसा संदेश यात्रा' का शुभारंभ किया गया। यह संदेश यात्रा जिला केंद्र खूंटी पहुंची जहां एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अर्जुन मुंडा, विशिष्ट अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष आर्यन मान और विशेष अतिथि के रूप में अभाविप के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री गोविंद नायक की उपस्थिति रही।

'बिरसा मुंडा संदेश यात्रा' भगवान बिरसा की जन्मस्थली उलिहातू से होते हुए खूंटी, चक्रधरपुर, चाईबासा, सरायकेला, रांची, जमशेदपुर, गुमला, लोहरगदा, लातेहार, मोदिनीनगर, गढ़वा, दुद्धीनगर, राबर्ट्सगंज, वाराणसी, जौनपुर, कुशभवनपुर, रायबरेली, लखनऊ, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर के रास्ते होते हुए देहरादून के 'परेड ग्राउंड' में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अधिवेशन स्थल पर 27 नवंबर को पहुंचेगी। इस यात्रा के दौरान इस विराम स्थानों पर संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन कर भगवान बिरसा द्वारा जनजातीय गौरव को बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों को आम जन तक पहुंचाया जाएगा।भगवान बिरसा संदेश यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अभाविप के कार्यकर्ताओं को संदेश यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जीवन-गाथा हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अल्प आयु में महान कार्य करने के पीछे उनकी मिट्टी, समाज और धर्म के प्रति अटूट आस्था थी।उन्होंने कम संसाधनों और पारंपरिक हथियारों के सहारे अंग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान किया और जनजाति समाज को यह संदेश दिया कि दृढ़ संकल्प और साहस हो तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। बिरसा मुंडा का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान का अद्भुत उदाहरण है।दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष आर्यन मान ने अभाविप की पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि अभाविप द्वारा भारतीय वीर एवं जनजातीय गौरव के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं वर्षगांठ पर देशभर में अनेकों कार्यक्रमों के माध्यम से आम जन तक भगवान बिरसा के संदेश को पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।आज दिल्ली विश्वविद्यालय समेत अन्य शैक्षिक एवं सामाजिक परिवेश में अभाविप द्वारा इस विषय पर लोगों को जाकरूक किया जा रहा है। भारतीय अस्मिता, जन, जंगल और जमीन के लिए अंग्रेजों से लोहा लेने वाले भगवान बिरसा इतिहास के पन्नों तक सीमित न रह सभी के अंतर्मन तक जाएं इसके हेतु ऐसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

मसाला फसल में अग्रणी मिर्च



भूमि

क्षारीय भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अधिक हो, इसकी खेती के लिये उपयुक्त रहती है।



उन्नत किस्में

पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, अर्का लोहित, अर्का सुफल, मिर्च–101, पंत–सी–1, फूले ज्योति, फूले मुक्ता, जवाहर मिर्च–283, एन.पी.–46ए।

संकर किस्में

ए.आर.सी.एच.–236, उजाला।

बीज की मात्रा

1–1.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों का 500 ग्राम बीज पर्याप्त होता है।

बुवाई समय

मिर्च की सर्दी की फसल हेतु जुलाई–सितम्बर तथा गर्मी की फसल हेतु रोपाई फरवरी–मार्च में की जाती है। रोपाई के 1.5 माह पूर्व बीज को नर्सरी में लगाया जाता है।

नर्सरी तैयार करना

नर्सरी क्यारी एक मीटर चौड़ी, 5 मीटर लम्बी तथा 15 सेमी ऊंची क्यारियाँ बनायें। क्यारियाँ बनाने से पहले मिट्टी को भुरभुरी बनाकर गोबर खाद 10–15 किग्रा तथा मिट्टी उपचार हेतु 100 ग्राम फोरेट मिलायें। बीजो को कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बीजों को 5 सेमी की दूरी पर लाईनों में लगायें। बीज बोने के बाद क्यारी को पुआल या सरकंडा आदि की पलवार से ढंक देते हैं। इससे नमी संरक्षित रहती है, तथा अंकुरण जल्दी हो जाता है। अंकुरण के बाद पलवार हटा देते हैं। कीट व्याधि से पौधों को बचाने हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली./3 लीटर पानी तथा 2 ग्राम मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर पानी मे घोल कर छिड़काव करें।

खाद एवं उर्वरक

मिर्च की अच्छी उपज के लिये 25–30 टन प्रति हैक्टेयर सड़ी गोबर खाद तथा उर्वरक में 260 किग्रा यूरिया, 300 किग्रा सिंगल सुपर फास्फोरस तथा 100 किग्रा पोटाश की आवश्यकता होगी। गोबर खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा रोपाई से पहले खेत में मिलायें। शेष आधी नत्रजन की मात्रा को दो भागों में बांटकर 25–30 दिन और 45–50 दिनों के बाद खड़ी फसल में डालें।

खेत की तैयारी एवं रोपाई

जुताई के समय गोबर खाद मिट्टी में मिला दें तथा पाटा लगाकर खेत में सिंचाई हेतु सुविधानुसार उपयुक्त आकार की क्यारियां बना लें या मेढ़ नाली पद्धति से रोपाई करें। बीज बोने के 5–6 सप्ताह बाद जब पौध 10–15 सेमी की हो जाये तो रोपाई के लिये उपयुक्त हो जाती है। रोपाई का कार्य सांयकाल में करें। कतार से कतार दूरी 45–60 सेमी तथा पौधे से पौधे दूरी 30–45 सेमी रखते हैं।

सिंचाई

रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। रोपाई के तीसरे दिन एक हल्की सिंचाई देने से पौध अच्छी जमती है। तत्पश्चात भूमि की किस्म तथा मौसम के अनुसार सिंचाई करें, सर्दी में 10–12 दिन के अन्तराल पर तथा गर्मी में प्रति सप्ताह सिंचाई करें।

निंदाई-गुड़ाई

मिर्च की फसल को खरपतवार रहित रखते हुए व अच्छी उपज प्राप्त करने हेतु 2–3 निंदाई–गुड़ाई आवश्यक है। रसायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पहले 1.2 लीटर पेंडामिथालीन प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

उपज

हरी मिर्च की पैदावार 90–100 क्विंटल/हैक्टेयर तथा सूखी मिर्च 15–20 क्विंटल/हेक्टेयर प्राप्त हो जाती है।



सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।



जलवायु

इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।

काश्त

इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।

बीज प्रक्रिया

ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।

बुआई

बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बा
अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका
जहां तलछटी वाली मिट्टी है त
खेत समतल बनाकर बी
को खेत में ऐसे ही बिखे
सकते हैं। इसके बा
उसे बखर हल्के
चलाकर मिट्टी
मिलायें।
इसके अला
ल्यूसर्न बीज क
बुआई यंत्र द्वारा सीध
कतारों में 30 से 3
सेंटीमीटर दूरी पर बो सक
हैं। अगर ज्यादा बरसात वा
इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता
तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक– दूसरे
50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआ
यंत्र से बुआई करें।

खाद

ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उ
फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंध
(सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अत
बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70
75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशिय
और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी
डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी
20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खा
जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर
डाले और मिट्टी में मिलायें।

सिंचाई

ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अत
जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्क
सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई क
ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15
20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।

कटाई

जब फसल में फलियां आती हैं त
आखिरी में से लेकर जब फसल के दस
भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई क
सकते हैं।

गेहूं में कम लागत बुआई तकनीक

भारत वर्ष में गेहूं की फसल साधारणतः धान, कपास, मक्का, ज्वार एवं अरहर की फसल के बाद बोई जाती है किंतु साधारणतः कुछ कृषक जो कि साल भर में फसलें अपने खेतों में उगाते हैं व खरीफ की फसलों के बाद आलू, सब्जी वाली मटर एवं तोरिया को नगदी फसल के रुप में लेते है। इस कारण अथवा अन्य कारणों से भी रबी में गेहूं की फसल की बुवाई में देरी हो जाती है।

शून्य जुताई विधि



किसी खेत में जुताई किए बिना ही सीधे बुआई करना शून्य जुताई कहलाता है इस तकनीक में विशेष रुप में तैयार जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल का उपयोग बुआई के लिए किया जाता है। इस तकनीक के द्वारा न केवल जुताई के लागत की बचत होती है बल्कि जिन क्षेत्रों में- कपास, धान, गन्ना एवं तोरिया आदि फसलों के देरी से पकने के कारण गेहूं की बुआई में देरी होती है उन क्षेत्रों में भी अच्छी उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।



पट्टी विधि

इस विधि को सन 1995 में पहली बार भारत में लागू किया गया। इस विधि में 70 सेमी की पट्टी बनाकर उसमें दो-तीन लाईन गेहूं की लगाई जाती है। इस प्रकार लगभग 25 प्रतिशत बीज एवं खाद की बचत पारंपरिक जुताई की तुलना में की जा सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के किसान आखिरी सिंचाई फसल गिरने के डर से नहीं करते जिसके कारण उपज में कमी देखी जाती है। इस विधि के उपयोग से जहां पर सिंचाई नालियों के द्वारा की जाती है, सिंचाई के जल तथा गेहूं के तने के बीच संपर्क न होने तथा आसानी से हवा का प्रवाह हो जाने से फसल गिरने से बच जाती है और पूरी सिंचाई कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस विधि के उपयोग से खरपतवार जैसे गेहूंसा (फेलेरिस माइनर) की संख्या भी पट्टी के जल्दी सूख जाने के कारण कम हो जाती है। पट्टी विधि से लगाई गयी फसल में खरपतवार निकालने तथा निंदाई, गुड़ाई हेतु पर्याप्त जगह मिल पाती है जिससे यांत्रिक विधियों का प्रयोग भी सरलता से किया जा सकता है।

सतही बुआई

यह विधि उप क्षेत्रों में अपनाई जाती है जिन क्षेत्रों में धान की फसल के बाद गेहूं की फसल लगाई जाती है यह तकनीक काफी उपयोगी है क्योंकि इसमें धान के खेत में कटाई के पूर्व ही अथवा कटाई के तुरंत बाद गेहूं का सूखा अथवा भीगा हुआ बीज छिटकवां विधि से बोया जाता है। जमीन में उपस्थित नमी का उपयोग कर गेहूं में अंकुरण हो जाता है तथा जुताई एवं अन्य कर्षण क्रियाओं पर होने वाला खर्च बच जाता है।



आया मौसम गाजर का

भूमि एवं तैयारी

अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट–भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।

बीज एवं बुवाई / समय

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त–सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर–मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

बीज दर

बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।

किस्में

पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस

बीजोपचार

गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।

बुवाई विधि

गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।

खाद एवं उर्वरक



सामान्यतया 25–30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30–40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।

सिंचाई

बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10–12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12–15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।

निंदाई-गुड़ाई

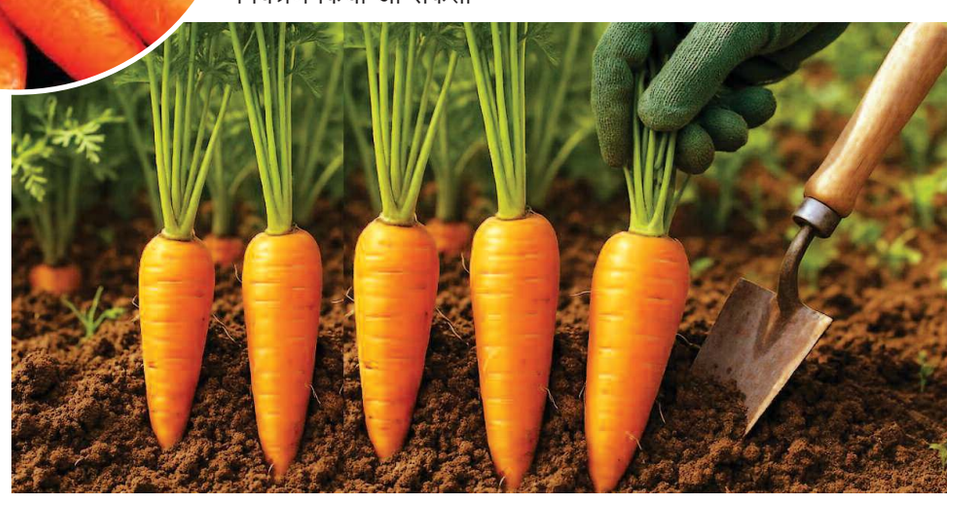
गाजर की फसल में पहली निंदाई–गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ–साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई–गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।

खुदाई

जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जा
के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथ
वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है
जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें
एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग क
व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जा
तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ
खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकत
हैं।

पैदावार

एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपिय
किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है
औसतन 150–200 क्विं./हे. पैदावार प्रा
हो जाती है।



रवींद्रन ने एनसीएलटी में दी शिकायत, गलत तरीके से फंड जुटाने का लगाया आरोप



नई दिल्ली, एजेंसी। बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल)में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। निलंबित निदेशक बायजू रविन्द्रन ने एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया है कि प्रमुख कर्जदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी विदेशी निवेश (एफडीआई) के नाम पर अवैध विदेशी कर्ज (ईसीबी) दिलाने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि टीएलपीएल की आकाश राइट्स इश्यू में भागीदारी के लिए बनाया गया 100 करोड़ का सीसीडी समझौता एफईएमए और आईबीसी नियमों का खुला उल्लंघन है। मामले में बायजू रवींद्रन ने का कहना है कि यह सीसीडी सौदा भारतीय एफडीआई और एफईएमए नियमों का उल्लंघन करता है और असल में इसे विदेशी कर्ज (ईसीबी) जैसा बनाया गया है, जो पूरी तरह से प्रतिबंधित है। बता दें कि पूरे मामले में एईएसएल (आकाश) को सुप्रीम कोर्ट से राइट इश्यू की मंजूरी मिल गई है। वहीं टीएलपीएल, जिसके पास एईएसएल की लगभग 25.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है, को अपने हिस्से का राइट इश्यू भरने के लिए करीब 25.75 करोड़ चाहिए थे, लेकिन टीएलपीएल दिवालिया प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है और उसके पास पैसे नहीं हैं। इसी वजह से जीएलएएस ट्रस्ट ने अपनी अमेरिकी सहायक कंपनी के जरिये टीएलपीएल को 100 करोड़ तक के सीसीडी जारी करने का प्रस्ताव दिया, ताकि पैसा जुटाया जा सके।अब समझिए रवींद्रन ने क्यों कहा सौदा अवैध बात अगर आरोपों की करें तो रवींद्रन का आरोप है कि सीसीडी को जानबूझकर एफडीआई जैसा दिखाया गया है, जबकि वह विदेशी कर्ज (ईसीबी) जैसा है, जो कि गैर कानूनी है। साथ ही एक ही समय में इसे सीआईआरपी के दौरान इंटरिम फाइनेंस भी बताया जा रहा है, जो संभव नहीं है। गौरतलब है कि रवींद्रन के अनुसार एक साधन मजबूरी से कन्वर्ट भी हो और विकल्प से भी यह कानूनी रूप से असंभव है। वहीं आरबीआई और एफईएमए के नियमों के मुताबिक यह सीसीडी असल में अनधिकृत विदेशी कर्ज है। रवींद्रन ने एनसीएलटी से आग्रह किया है कि पांच नवंबर की सीओसी मीटिंग में पास हुए सभी सात प्रस्ताव रद्द किए जाएं।

दिल्ली, मुंबई में दुबई के रेट..

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में खुदरा महंगाई दर ऐतिहासिक रूप से सबसे कम हो गई है। लेकिन, दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में रहने वाले आम भारतीयों, खासकर मध्यम वर्ग के लोगों को यह बिल्कुल भी महसूस नहीं हो रही है। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और निवेश बैंकर सार्थक आहूजा ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने बताया कि कैसे भारत के आधिकारिक महंगाई के आंकड़े (सीपीआई नंबर) शहरी मध्यम वर्ग के परिवारों की असली आर्थिक परेशानियों को छुपा रहे हैं। उनके विदेशी दोस्त, जो सैन फ्रांसिस्को, हांगकांग, दुबई और स्विट्जरलैंड जैसे शहरों से आए थे, उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में रहने का खर्च उनके शहरों के बराबर ही हो गया है। उन्होंने लिखा, जब भी वे भारत आते हैं तो बाहर खाना खाने, खाना ऑर्डर करने, सैलून जाने और ऐसी ही दूसरी जगहों पर उनका उतना ही खर्च होता है जितना उनके अपने शहरों में होता है। पहले तो आहूजा को इस पर यकीन नहीं हुआ। लेकिन, जब उन्होंने खुद आंकड़ों की जांच की तो उन्हें इस विरोधाभास का कारण समझ आया। रिकॉर्ड नचिले स्तर पर खुदरा महंगाई सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर सिर्फ 0.25 प्रतिशत रही, जो रिकॉर्ड निचला स्तर है। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी कमी और रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर टैक्स में कटौती के कारण आई है। यह आंकड़ा बाजार के अनुमानों से काफी कम था। 2015 में



वर्तमान सीपीआई स्ट्रक्चर (जो 2012 की कीमतों पर आधारित है) के लागू होने के बाद से सबसे कमजोर महंगाई दर है। खाद्य महंगाई लगातार पांचवें महीने गिरी है, जो पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत कम रही। अन्य क्षेत्रों में भी महंगाई कम हुई है। पर्सनल केयर उत्पादों की कीमतों में सितंबर की तुलना में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई। आई, जबकि कपड़े, जूते और मनोरंजन श्रेणियों में 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। स्वास्थ्य सेवाओं के खर्च में भी 0.1 प्रतिशत की मामूली कमी आई। यह बड़ी गिरावट सितंबर के अंत में सरकार की ओर से जीएसटी कम करने के फैसले के बाद आई है। इसमें बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं, जैसे डेयरी उत्पाद और पर्सनल केयर उत्पादों पर टैक्स घटाया गया। सरकार का यह कदम घरेलू मांग को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया था। खासकर तब जब अमेरिका की ओर से कई आयातित वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी टैक्स लगाने के बाद वैश्विक व्यापार में चिंताएं बढ़ गई थीं। आहूजा ने कहा, यह शहरी भारतीय मध्यम वर्ग का अनुभव नहीं है। मेट्रो शहरों में रहने वाले, जो क्वकि-कॉमर्स ऐप से किराने का सामान खरीदते हैं और बच्चों को निजी स्कूलों में भेजते हैं, वे कहीं ज्यादा महंगाई महसूस करते हैं। यह अंतर अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए चौंकाने वाला है। वे भारतीय मेन्यू की कीमतों और सेवा लागतों को देखकर हैरान हैं। ये अब दुनिया के बड़े शहरों के बराबर हो गई हैं। आहूजा ने इस विडंबना पर भी जोर दिया, अगर आप आज गुरुग्राम या मुंबई में रहते हैं तो आप ऐसे शहर में रहते हैं जहां रहने का खर्च अंतरराष्ट्रीय स्तर का है। लेकिन, बुनियादी ढांचा और हवा सांस लेने लायक नहीं है। एक्सपर्ट ने दावा किया कि 70 लाख रुपये की वार्षिक आय होने के बावजूद कई शहरी भारतीय अभी भी मध्यम वर्ग महसूस करते हैं और उसी तरह जीते हैं, जब आवास, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जीवनशैली की लागतों को ध्यान में रखा जाता है।

शहरी मध्यम वर्ग का अनुभव अलग क्यों

सार्थक आहूजा के अनुसार, अक्टूबर 2025 के लिए भारत की सीपीआई महंगाई दर सिर्फ 0.25 प्रतिशत है, जो शायद अब तक की सबसे कम दर है। लेकिन, आहूजा का तर्क है कि यह आंकड़ा भारत की जनसंख्या की संरचना से बहुत प्रभावित है। देश की 55 प्रतिशत से अधिक आबादी यानी करीब 79 करोड़ लोग, सरकार से 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी वाला अनाज प्राप्त करते हैं, जो सरकारी लागत से काफी कम है। इसके अलावा, 56 प्रतिशत छात्र मुफ्त सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और 86 प्रतिशत भारतीय अपने खुद के घरों में रहते हैं, जिससे वे किराए से जुड़ी महंगाई से बचे रहते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई ने भी तोड़ी है कमर

इन सबके अलावा, आहूजा का अनुमान है कि निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई आसानी से 10 प्रतिशत से ऊपर है। उनका कहना है कि इन सब को मिलाकर मेट्रो शहरों के निवासियों की ओर से अनुभव की जाने वाली वास्तविक महंगाई 10-15 प्रतिशत है जो आधिकारिक आंकड़ों से बहुत अलग है।

भारत अक्टूबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बना



नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत अक्टूबर में रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। चीन के बाद भारत ने 2.5 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा। वहीं, चीन ने 3.7 अरब डॉलर का आयात किया। कुल मिलाकर भारत का रूस से जीवाश्म ईंधन का आयात 3.1 अरब डॉलर रहा। यह चीन के 5.8 अरब डॉलर से कम है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत और चीन रूसी तेल खरीद रहे हैं। वे मानते हैं कि भारत और चीन ऐसा करके रूस की युद्ध मशीनरी को चला रहे हैं। यह जानकारी हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट से सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की 2.7 अरब डॉलर के आयात के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) 1.1 अरब डॉलर के साथ खसिककर चौथे स्थान पर आ गया। पश्चिमी देश भारत और चीन पर रूसी तेल की खरीद कम करने का दबाव बना रहे हैं। उनका तर्क है कि यह खरीद रूस को यूक्रेन में अपने युद्ध को जारी रखने के लिए पैसा दे रही है। पिछले महीने अमेरिका ने रूस के दो बड़े तेल निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों का असर भारत और चीन के दिसंबर के आयात आंकड़ों में देखने को मिल सकता है। चीन रूसी कोयले का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, जो भारत और तुर्की से आगे है। अक्टूबर में भारत ने 35.1 करोड़ डॉलर का रूसी कोयला और 22.2 करोड़ डॉलर के तेल उत्पाद खरीदे।तुर्की रूसी तेल उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार रहा। इसका आयात 95.7 करोड़ डॉलर था।

एयरपोर्ट की तरह अब रेलवे स्टेशनों पर दिखेंगे मशहूर फूड चेन

ई-ऑक्शन से मिलेंगे स्टॉल, स्टेशनों पर कई तरह के स्टॉल

नई दिल्ली, एजेंसी।
आप जब एयरपोर्ट जाते होंगे तो आपको वहां केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, बास्किन रॉबिन्स, पिज्जा हट, हल्दीराम और बीकानेरवाला जैसे मशहूर फूड ब्रांड्स के आउटलेट दिखते होंगे। आप सोचते होंगे कि ऐसे मशहूर फूड चेन रेलवे स्टेशनों पर क्यों नहीं दिखते अब आपको बड़े रेलवे स्टेशनों पर इनके आउटलेट्स भी दिखेंगे। जी हां एक रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे ने अपनी कैटरिंग पॉलिसी में बदलाव कर दिया है। इससे अब स्टेशनों पर बड़े और प्रीमियम ब्रांड्स को अपनी दुकानें खोलने का रास्ता साफ हो गया है।

क्यों जरूरी था यह: देश में अब नया मध्यम वर्ग तैयार हो गया है। वह रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ी में भी एयरपोर्ट की तरह साफ-सुथरी और बेहतर सुविधाएं चाहते हैं। चाहे इसके लिए थोड़ी ज्यादा कीमत क्यों नहीं चुकानी पड़े। इसी को देखते हुए रेलवे के साउथ सेंट्रल रेलवे ज़ोन की तरफ से रेलवे बोर्ड के पास एक प्रस्ताव आया था। इसी के बाद उच्च स्तर पर बात हुई और रेलवे की कैटरिंग पॉलिसी में बदलाव हुआ।

सिंगल ब्रांड कंपनी आउटलेट भी खुलेंगे= रेलवे की नई गाइडलाइन्स के मुताबिक, जोनल रेलवे उन जगहों पर सिंगल-ब्रांड और कंपनी के अपने आउटलेट या फ्रेंचाइजी आउटलेट खोलने की इजाज़त देंगे जहां इनकी मांग होगी और ज़रूरत होगी। इन दुकानों को स्टेशन के प्लान या ब्लूप्रिंट में शामिल किया जाएगा। इससे स्टेशनों पर पहले से मौजूद स्टॉलों के लिए आरक्षण नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। अभी जो आरक्षण नीति है।



फूड चेन के लिए आसानी से मिलेगी जगह

मशहूर ब्रांड के किसी आउटलेट में आप जाएं तो पाएंगे कि वे सामान्य फूड स्टॉल के मुकाबले थोड़े बड़े होते हैं। जबकि भारत के बड़े स्टेशनों का निर्माण हुए करीब 100 साल तो हो ही चुके हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशनों या प्लेटफार्म पर इन फूड चेन्स के लिए पर्याप्त जगह मिल पाएगी इस सवाल पर रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब रेलवे देश भर में 1,200 से ज़्यादा स्टेशनों का कायाकल्प कर रही है।

भारत-वेनेजुएला महत्वपूर्ण खनिजों के लिए करेंगे सहयोग

- आंध्र में लॉजिस्टिक्स डिजिटलीकरण के लिए समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी।
वेनेजुएला ने भारत के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए इच्छा जताई है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वेनेजुएला के पारिस्थितिकी खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा के बीच हुई बैठक में इस पर चर्चा की गई। ने भारत के साथ तेल क्षेत्र से परे आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की। इसमें महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और भारतीय निवेश आकर्षित करना शामिल है। भारत-वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को दोबारा सक्रिया करने पर जोर गोयल ने भारत-वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को दोबारा सक्रिय करने की जरूरत पर बल दिया, जिसकी अंतिम बैठक एक दशक पहले हुई थी। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में ओएनजीसी के चल रहे परिचालन से खनन और अन्वेषण में गहन सहयोग की संभावना है। उन्होंने सुझाव दिया कि वेनेजुएला दवा व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय फार्माकोपिया को स्वीकार करने पर विचार कर सकता है और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला। एक अलग बयान में, मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड, लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके राज्य के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को पूरी तरह डिजिटल रूप देना है।

पैसा छापने की मशीन...5 साल में 1,350 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। लहर फुटवियर्स के शेयरों में पिछले कुछ सालों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजों के बाद से निवेशकों का इस स्टॉक पर फोकस है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें उसका राजस्व पिछले साल की समान अवधि के 37.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 140.5 करोड़ रुपये हो गया है। यह 273 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी 4.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 12.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, ऑपरेटिंग मार्जिन थोड़ा घटकर 9 प्रतिशत रह गया, जो पिछले साल 11.9 प्रतिशत था। शुक्रवार को यह शेयर 243.80 रुपये पर बंद हुआ था। कंपनी की फाइनेंस कॉस्ट में कमी आई है, जो 1.6 करोड़ रुपये से घटकर 1.2 करोड़ रुपये हो गई है। डेप्रिसिएशन में मामूली बढ़ोतरी हुई है, जो 1.4 करोड़ रुपये रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 1.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 10.1 करोड़ रुपये हो गया है। इसके चलते नेट प्रॉफिट (पीएटी) 1.3 करोड़ रुपये से 461 प्रतिशत बढ़कर 7.3 करोड़ रुपये हो गया है। अगर पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो कंपनी का राजस्व 100.8 करोड़ रुपये से बढ़कर 282.7 करोड़ रुपये हो गया



है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 25.3 करोड़ रुपये और पीबीटी 19.8 करोड़ रुपये रहा, जिससे नेट प्रॉफिट (पीएटी) 14.6 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह कंपनी के प्रदर्शन में मजबूत रफ्तार को दर्शाता है। जीएसटी में बदलाव से पहले कुछ समय के लिए मांग में थोड़ी कमी आई थी। लोग खरीदारी टाल रहे थे। लेकिन, जीएसटी दरें कम होने के बाद त्योहारी सीजन में मांग में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई। पिछले दो सालों से मांग थोड़ी सुस्त थी। लेकिन, अब इसमें फिर से जान आ गई है। कंपनी को उम्मीद है कि आने वाली तिमाहियों में भी यह मांग बनी रहेगी। लहर फुटवियर्स की मास (आम जनता) और मिड-मार्केट (मध्यम वर्ग) सेगमेंट में मजबूत पकड़ है। कंपनी के पास कई तरह के उत्पाद हैं। इन सब वजहों से कंपनी का मानना है कि वह मांग में आने वाली इस तेजी का फायदा उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी ने हाल ही में रणर ब्रांड के तहत अपने नए स्पोर्ट्स फुटवियर की बिक्री भी शुरू की है। इस नए प्रोडक्ट को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके लिए काफी ऑर्डर आए हैं। हाल के महीनों में कंपनी के शेयर में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है। इससे पहले शेयर ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया था। अक्टूबर 2020 से जनवरी 2025 के बीच स्टॉक में एक बड़ी तेजी आई, जिसने 1,428 प्रतिशत का शानदार मुनाफा दिया। हालांकि, हाल के महीनों में मुनाफावसूली के कारण शेयर में कुछ गिरावट आई है। फिर भी पिछले पांच सालों में इसने लगभग 1,350 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस तेजी के बीच मई में शेयर 300 रुपये के पार चला गया था और 322.20 रुपये के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। दूसरे शब्दों में समझें तो अगर कोई निवेशक 5 साल पहले इसमें सिर्फ 10,000 रुपये का निवेश करता तो 1,350 प्रतिशत रिटर्न के बाद उसका मूल्य 1,45,000 रुपये होता।

दवा बेचते-बेचते पता चली असली कमाई वाली बात... नौकरी छोड़ शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
कानपुर देहात के शिवराज निषाद ने सूखे फूलों (ड्राई फ्लावर) के व्यवसाय में अलग पहचान बनाई है। फार्मा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की जमी-जमाई नौकरी छोड़कर उन्होंने इस कारोबार में कदम रखा। उन्होंने कानपुर में फूलों की खेती को सफल ड्राई फ्लावर बिजनेस में बदल दिया है। वह एम.फार्मा हैं। उन्होंने हेल्थ और वेलनेस इंडस्ट्री में बढ़ते रुझान को सही समय पहचाना। शिवराज ने महसूस किया कि काफी लोग दवाओं के बजाय इम्यूनिटी-बूस्टिंग फ्लावर टी की ओर रुख कर रहे थे। उन्होंने यह भी पाया कि स्थानीय बाजारों में फूलों की कम मांग के कारण किसानों को भारी नुकसान होता है। इस समस्या को हल करने और किसानों को स्थिर आय देने के उद्देश्य से उन्होंने 2021 में ईश्वर फ्लावर्स एंड हर्ब्स की नींव रखकर सूखे फूलों का कारोबार शुरू किया। इसका सालाना टर्नओवर आज 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां शविराज नषिाद की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शिवराज निषाद ने कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी से एम.फार्मा की डिग्री पूरी की। जुलाई 2017 में उन्होंने एक फार्मा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में नौकरी शुरू की। नौकरी के दौरान उन्होंने देखा कि लोग तेजी से इम्यूनिटी बनाने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए गोलियों के बजाय फ्लावर टी जैसे हर्बल विकल्पों को अपना रहे थे। उन्हें याद आया कि उनके परिवार की शेखपुर, कानपुर देहात में गुलाब, गेंदा और चमेली की फूलों की खेती थी। चार साल बाद उन्होंने महसूस किया कि बाजार में ताजा फूलों की मांग अस्थिर थी। इसका मूल्य 10 रुपये से 100 रुपये प्रति



किलो के बीच झूलता रहता था। इससे किसानों को नुकसान होता था। कोरोना लॉकडाउन के दौरान मिले खाली समय ने उन्हें चिंतन करने का मौका दिया। वह किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए सूखे फूल बेचने का समाधान लेकर आए। शिवराज ने फरवरी 2021 में अपनी कंपनी ईश्वर फ्लावर्स एंड हर्ब्स को रजिस्टर किया। उन्होंने जल्द ही यह जान लिया कि सूखे फूलों की कॉस्मेटिक, वेलनेस और फार्मास्युटिकल कंपनियों में बहुत बड़ी मांग है। ये उत्पाद इम्यूनिटी-बूस्टिंग और तनाव-मुक्त करने वाले गुणों के कारण विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रहे थे।

बैंक एफडी पर भारी पोस्ट ऑफिस की योजनाएं, मिल रहा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कई बार कमी की है। इस कारण कई बैंकों ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं पर ब्याज दरें कम कर दी हैं। इस वजह से नए एफडी निवेशक अब कम ब्याज दरों पर ही निवेश कर रहे हैं। ऐसे समय में जब एफडी की ब्याज दरें गिर रही हैं, कई पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की एफडी दरों से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। ज्यादातर बड़े बैंकों में एफडी की ब्याज दरें 6 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच हैं। वहीं पोस्ट ऑफिस की कई ऐसी स्कीम हैं जो 7 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। इनमें से कई योजनाओं में तो पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा राशि पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है।

इन स्कीम पर मिल रहा ज्यादा ब्याज पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की फिक्स्ड



डिपॉजिट योजनाओं से बेहतर रिटर्न दे रही हैं। पोस्ट ऑफिस की योजनाओं की ब्याज दरें सरकार हर तिमाही में बदलती है। अभी की ब्याज दर 31 दिसंबर तक है। पोस्ट ऑफिस इन स्कीम पर 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा ब्याज मिल रहा है- अगर आप 2 साल के लिए पैसा जमा करना चाहते हैं तो आपको 7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। यानी 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 719 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। 3 साल की जमा पर 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दर है। इसमें 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 729 रुपये मिलेंगे। 5 साल की जमा पर 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 771 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम है, जिस पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 205 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे और यह तिमाही भुगतान किया जाएगा।

अगर आप हर महीने कुछ आमदनी चाहते हैं, तो मंथली इनकम अकाउंट एक अच्छा विकल्प है। इस पर 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर महीने 62 रुपये मिलेंगे और यह हर महीने भुगतान किया जाएगा।

डब्ल्यूबीबीएल

डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक

रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत



मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है। जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया। रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप्प ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं। विपक्षी टीम से डिएंड्रा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चारिस बेकर, मिल्ली इलिंगवर्थ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहैम ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखेरने के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

'हर मैच में रन बनाना...'

टीम इंडिया से बाहर होने पर सरफराज खान का छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है. ऑस्ट्रेलिया दौरे (2024-25) पर सरफराज स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन एक भी मैच में मौका नहीं मिला. फिर सरफाज इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे. सरफराज ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ



खेला था. उसके बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट में चांस नहीं मिला है. घरेलू क्रिकेट में सरफराज का रिकॉर्ड इतना शानदार है कि उनका चयन अपने-आप में तय लगता है. हालांकि सरफराज को अब इंडिया-ए टीम में भी जगह नहीं मिल रही है. सरफराज ने हिम्मत नहीं हारी है और रणजी ट्रॉफी 2025-26 के जरिए दोबारा टीम इंडिया में वापसी की कोशिश कर रहे हैं. सरफराज ने कुछ महीने पहले काफी वजन कम किया था, फिर भी सेलेक्शन नहीं हुआ. सरफराज बताते हैं कि वह बिल्कुल भी निराश नहीं हैं. सरफराज खान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं नहीं समझता कि मुझे कुछ बदलने की जरूरत है. मैं अच्छा कर रहा हूं. मैं हमेशा ट्रेनिंग में बहुत गेंदें खेलता हूं और अब भी उतनी ही मेहनत करता हूं. हर मैच में रन बनाना संभव नहीं है. पिछले चार सीजन अच्छे गए हैं.'

खिलाड़ी पर चल रहा रेप केस, फिर भी आरसीबी ने किया रिटेन

● सोशल मीडिया पर तगड़ा बवाल आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी रिटेंशन लिस्ट में यश दयाल को भी शामिल किया है. आरसीबी के इस फैसले की जमकर आलोचना हो रही है, क्योंकि यश पर अभी 2 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पोक्सो एक्ट के तहत एक मामला भी शामिल है. पिछले साल आरसीबी ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. यश दयाल पर गाजियाबाद और जयपुर में दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं और दोनों ही यौन शोषण से संबंधित हैं. ऋषक द्वारा उन्हें रिटेन किए जाने से फ्रैंचाइजी के रुख पर सवाल खड़े होने लगे हैं. इस रिटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर लोग 2 गुटों में बंट गए हैं. कुछ लोगों ने तो यह तक कहा कि गंभीर मामले दर्ज होने के बावजूद यश को रिटेन करके आरसीबी फ्रैंचाइजी समाज में गलत संदेश दे रही है. आरसीबी फ्रैंचाइजी ने यश दयाल को रिटेन करने पर अलग से कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है.



झेल चुके हैं सस्पेंशन

इसी साल अगस्त में दर्ज मामलों की गंभीरता को देखते हुए यूपी टी20 लीग के आयोजकों ने यश दयाल को लीग में भाग लेने से रोक दिया था. वो गोरखपुर लायंस के लिए खेलने वाले थे. वहीं डोमेस्टिक सीजन में वो अभी तक उत्तर प्रदेश के लिए एक भी मैच में नहीं खेलते दिखे हैं. ये सब खबरें उनके क्रिकेट में भविष्य को कटघरे में लाकर खड़ा कर रही हैं.



एटीपी फाइनल

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

अब अल्कारेज से होगा सामना

तूरिन, एजेंसी। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी। अल्कारेज ने हालांकि यूएस ओपन में जीत के साथ सिनर के खिलाफ अपना दबदबा मजबूत किया।



● स्पीन को मददगार पिच पर साईमन का जलवा।

● कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

'लो-स्कोरिंग' मुकाबले में भारत करारी हार

● पहला टेस्ट : साउथ अफ्रीका ने बनाई 1-0 से लीड, 124 का लक्ष्य हासिल न कर सकी टीम इंडिया

कोलकाता, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए 'लो-स्कोरिंग' टेस्ट मैच को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 124 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम इंडिया महज 93 रन ही बना सकी। कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम पहली पारी में महज 159 रन पर सिमट गई। एडेन मार्करम ने 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन की पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में महज 189 रन पर सिमट गई। इस पारी में केएल राहुल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रन टीम के खाते में जोड़े। साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। भारत के पास पहली पारी के आधार पर महज 30 रन की बढ़त थी। दूसरी पारी में कप्तान टेंबा बावुमा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और 136 गेंदों में 4 चौकों के साथ नाबाद 55 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। इस पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट हाथ लगे। तीसरे दिन की शुरुआत से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट कर दिया था कि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से मुकाबले का शेष हिस्सा नहीं खेलेंगे। ऐसे में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे, लेकिन चौथी गेंद पर ही साझेदारी टूट गई। जायसवाल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। तीसरे ओवर तक केएल राहुल (1) भी आउट हो गए थे।



● पिच विवाद पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

भारत ने ही मांगी, क्यूरेटर की गलती नहीं...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में आयोजित टेस्ट मैच की पिच को लेकर बहस छिड़ी हुई है. इस मुकाबले में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है. खेल के पहले दिन 11 विकेट गिरे. वहीं दूसरे दिन गिरने वाले विकेटों की संख्या 15 रही. फिर तीसरे दिन भी विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा. इस मैच की किसी भी पारी में 200 से ज्यादा रन नहीं बना, जिससे पता चलता है कि पिच पर बैटिंग करना कठिन था. विकेट लगातार गिरते रहे और पिच की भारी आलोचना हुई. मैच तीसरे ही दिन समाप्त होने जा रहा है. टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तो कहा कि टेस्ट क्रिकेट को मजाक बना दिया गया है. उन्होंने हैशटैग किया- यानी टेस्ट क्रिकेट का अंत. ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बड़ा खुलासा किया है. सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम को वही पिच मिली, जो टीम ने डिमांड की थी. गांगुली ने पिच विवाद में ईडन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव किया. बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'पिच बिल्कुल वैसी ही तैयार हुई थी.

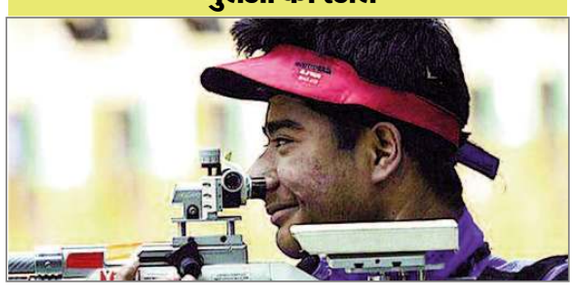


इसलिए बल्लेबाजी करना हुआ मुश्किल!

गांगुली ने बताया कि पिच पर चार दिनों तक पानी नहीं डाला गया, इसलिए यह इतनी सूखी और बल्लेबाजी के लिए कठिन बन गई. उन्होंने कहा, 'पिच वही थी जो भारतीय टीम चाहती थी. चार दिन पानी नहीं देने पर ऐसी ही पिच बनेगी. इसके लिए क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को दोष नहीं दिया जा सकता.' मैच में साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में सिर्फ 159 रनों पर ऑलआउट हो गया. फिर भारतीय टीम भी अपनी पहली इनिंग्स में सिर्फ 189 रनों तक ही पहुंच सकी. फिर दूसरी पारी में साउथ अफ्रीकी टीम सिर्फ 153 रनों पर आउट हो गई. साउथ अफ्रीका के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने नाबाद 55 रन बनाए, जो इस मुकाबले में किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर रहा. भारत को जीत के लिए 124 रनों का टारगेट मिला, जिसे चेज करने में भारतीय टीम लड़खड़ा गई है.

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता

मुर्तजा को रजत



नई दिल्ली, एजेंसी। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।



ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल?

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं। प्राचीन मिस्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है। ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्प्स सबसे सफल हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं। तैराकी के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर का नाम आता है। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में गोल्ड जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे, और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है।



शादी की चौथी सालगिरह पर दी बड़ी खुशखबरी

राजकुमार -पत्रलेखा के घर आई नन्हीं परी

अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा के घर नन्हीं परी का आगमन हुआ है। पत्रलेखा ने बेबी गर्ल को जन्म दिया है। राजकुमार राव ने सुबह-सुबह ही ये गुड न्यूज अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर की है। फैंस कपल को ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्टर में एक बेबी यूनिकॉर्न बना है और उस पर लिखा है, 'आज हम खुद को चांद से भी परे महसूस कर रहे हैं, क्योंकि आशीर्वाद के रूप में हमारे घर बेबी गर्ल आई है।' उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, 'भगवान ने हमें हमारी चौथी शादी की सालगिरह पर सबसे बड़ा आशीर्वाद दिया है। बता दें कि 15 नवंबर 2021 को राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक निजी समारोह में चंडीगढ़ में शादी की थी। शादी में परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। राजकुमार राव और पत्रलेखा 11 साल के लंबे रिश्ते के बाद शादी के बंधन में बंधे थे। सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की फोटोज ने फैंस को खुश कर दिया था। अब चार साल बाद शादी की सालगिरह पर ही उनके घर बड़ी खुशी आई है। खबर सामने आने पर बॉलीवुड स्टार्स ने भी कपल को बधाई देना शुरू कर दिया है। वरुण धवन ने पोस्ट कर कमेंट कर लिखा, 'आपका गर्ल क्लब में स्वागत है दोस्तों।' वरुण भी बेबी गर्ल के पिता हैं। एक्टर अली फजल ने भी कमेंट कर लिखा, 'ओह गॉड, ये सुनकर बहुत खुशी हुई। आप दोनों खूबसूरत लोगों को बधाई।' बाकी यूजर्स भी हार्ट इमोजी पोस्ट कर अपना प्यार लुटा रहे हैं। अली फजल और ऋचा चड्ढा भी बेबी गर्ल के माता-पिता हैं। इससे पहले 9 जुलाई को कपल ने सोशल मीडिया पर पहली बार प्रेग्नेंसी की खबर की जानकारी दी थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा था, 'बेबी ऑन द वे।' तभी से फैंस इस खुशखबरी का इंतजार कर रहे थे और फाइनली कपल के घर नन्हीं परी ने जन्म लिया है।

महान फिल्मकार वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी



सिद्धांत इस रोल के लिए शारीरिक रूप से भी खुद को तैयार कर रहे हैं। इस बायोपिक में सिद्धांत के साथ फरदीन खान भी नजर आएंगे

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत 3 चतुर्वेदी अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। वह जल्द ही भारतीय सिनेमा के महान फिल्मकार वी. शांताराम की बायोपिक में नजर आएंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण वी. शांताराम के बेटे किरण शांताराम कर रहे हैं, जो अपने पिता की अमर विरासत को बड़े परदे पर जीवंत करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सिद्धांत का लुक टेस्ट पूरा हो चुका है और उनकी शक्ल वी. शांताराम से काफी मिलती जुलती बताई जा रही है। फिल्म की शूटिंग ने वाले कुछ महीनों में शुरू होगी। इस बायोपिक में फरदीन खान भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे, हालांकि उनकी भूमिका फिलहाल गुप्त रखी गई है। फिल्म में तीन अभिनेत्रियों को कास्ट किया जाएगा, क्योंकि वी. शांताराम की तीन शादियां हुई थीं।

फरहान ने समझाया देशभक्ति और अंधभक्ति का फर्क

बताया फिल्म '120 बहादुर' ने कैसे बदला उनका नजरिया?

फिल्म 'लक्ष्य' को फरहान अख्तर ने निर्देशित किया था, इस फिल्म ने सेना की अहमियत और देशभक्ति के मायने लोगों को समझाए थे। अब फरहान अख्तर बतौर एक्टर फिल्म '120 बहादुर' में काम कर रहे हैं। जल्द यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी फिल्म से जुड़े एक इंटरव्यू में फरहान अख्तर ने असल देशभक्ति के मायने बताए।

'120 बहादुर' से क्या सीखा?

फरहान अख्तर इंटरव्यू में आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म की तैयारियों के लिए मेजर शैतान सिंह के बेटे से मिला तो उन्होंने बताया कि वह हमेशा मुस्कुराते रहते थे। यहां तक कि मुश्किल वक्त में भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती थी। इससे उनकी नेचर और लीडरशिप क्वालिटी के बारे में पता चला।' फरहान ने आगे कहा, 'हमारी फिल्म की कहानी बहुत कुछ सिखाती है। '120 बहादुर' बताती है कि कोई भी लड़ाई अकेले नहीं जीती जाती है। सही लीडरशिप और साथ मिलकर दिखाए गए साहस से ऐसा मुमकिन होता है।'

फरहान की नजर में क्या है देशभक्ति

जस्ट टू फिल्मी को दिए गए इंटरव्यू में फरहान अख्तर कहते हैं, 'देशभक्ति बहुत खूबसूरत अहसास है, लेकिन अंधराष्ट्रवाद बहुत बुरी चीज है। मेरा मानना है कि जब हमारे सैनिक पूरी ईमानदारी से अपना काम करते हैं, तो उनको कुछ कहने की जरूरत नहीं होती है। उनके काम, फैसले ही देशभक्ति को, देश के लिए वफादारी को दिखाते हैं। हमारी फिल्म भी ऐसी ही सच्चाई को बयां करती है।'

सुरभि ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण



टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, 'टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तक...मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना? अभिनेत्री ने लिखा, 'मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, 'मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, 'मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, 'मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

10 साल बाद साथ लौटे हनी सिंह और पारुल गुलाटी, एक्ट्रेस बोलीं-

'उनमें पहले जैसी एनर्जी'



फिल्मी दुनिया में जब दो कलाकार लंबे समय बाद दोबारा साथ आते हैं, तो वह पल फैंस के लिए भावनात्मक बन जाता है। खासकर तब, जब उन कलाकारों की पुरानी साझेदारी ने लोगों पर गहरी छाप छोड़ी हो। इस कड़ी में अभिनेत्री पारुल गुलाटी और मशहूर रैपर व सिंगर यो यो हनी सिंह लगभग एक दशक बाद फिर से एक साथ नजर आएंगे। दोनों कपिल शर्मा की नई फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' के खास गाने 'फुर्र' में साथ दिखाई देंगे। पारुल गुलाटी ने बातचीत में बताया कि इतने साल बाद हनी सिंह से मिलना उन्हें भावुक कर गया। उन्होंने कहा, 'जब मैं इतने सालों बाद हनी सिंह से मिली, तो सचमुच ऐसा लगा जैसे समय थम गया हो। हम दोनों तुरंत पुराने प्रोजेक्ट 'जोरावर' के दिनों में वापस चले गए। हमें रिहर्सल, हंसी-मजाक, और सेट पर मस्ती भरे पल याद आने लगे।' पारुल ने कहा, 'हनी सिंह के साथ दस साल बाद दोबारा काम करने पर मुझे एक अपनापन महसूस हुआ। उनमें पहले जैसी एनर्जी है, लेकिन एक कलाकार के तौर पर उनमें काफी निखार आया है।

श्रुति ने गाया फिल्म एसएसएमबी ग्लोबट्रॉटर 29 का पहला गाना

साउथ के मशहूर डायरेक्टर एस एस राजामौली और महेश बाबू की अगली फिल्म एसएसएमबी 29 से जुड़ी नई अपडेट सामने आई है। पृथ्वीराज सुकुमारन के फर्स्ट लुक और महेश व प्रियंका के वीडियो संदेश के बाद अब फिल्म का पहला सिंगल गाना रिलीज कर दिया गया है। ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी द्वारा कंपोज किया गया यह गाना ग्लोबट्रॉटर टाइटल के साथ जारी किया गया है। खास बात यह है कि गाने में श्रुति हासन ने अपनी आवाज दी है। इसे फिलहाल केवल तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया है और यह गाना फिलहाल सिर्फ ऑडियो फॉर्मेट में यूट्यूब पर उपलब्ध है। वीडियो वर्जन जल्द आने की उम्मीद है। गाना लीज होते ही दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। खास तौर पर श्रुति की आवाज को खूब सराहा जा रहा है। श्रुति ने अपने सोशल मीडिया पर एम एम कीरवानी के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियो की कुछ फोटोज और वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा... कीरवानी सर के म्यूजिकल के लिए गाना बहुत खुशी की बात थी। यह एक शानदार ट्रैक है, लेट इट बैंग,
ग्लोबट्रॉटर।



'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के क्लाइमैक्स सीन को लेकर मोना सिंह ने किया बड़ा खुलासा, बोलीं- 'सिर्फ बॉबी और मुझे...'



अभिनेत्री मोना सिंह, जिन्होंने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में अहम भूमिका निभाई है। अब एक्ट्रेस ने इस सीरीज के क्लाइमैक्स सीन को लेकर एक खुलासा किया है। आर्यन खान द्वारा निर्देशित पहली सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' ने दर्शकों को आकर्षित करने का काम किया था। अब इस सीरीज में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मोना सिंह ने बताया कि उन्होंने और बॉबी देओल ने इस सीरीज से जुड़े राज को कई साल तक छुपा कर रखा था। पढ़िए पूरी खबर।

'दो साल तक उस राज को छुपाए रखा'

अभिनेत्री मोना सिंह ने पीटीआई से बात की। उन्होंने कहा, 'सिर्फ बॉबी देओल और मुझे ही क्लाइमेक्स के बारे में पता था, सिर्फ हम दोनों को। आर्यन यह बात किसी और को नहीं बताना चाहता थे। यहां तक कि शो का शीर्षक भी, बॉबी सर और मुझे ही पता था। मैं चुप रही और उस बोझ को ढोती रही, दो साल तक उस राज को छुपाए रखा, जो मेरे लिए नामुमकिन है। लेकिन यह सब सार्थक रहा। मुझे बहुत मजा आया। मैं इसका हिस्सा बनकर खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। मैं सचमुच बहुत खुश हूं।'

जब मोना सिंह को आया आर्यन खान का फोन

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने बताया, 'मैं पंजाब में किसी और चीज की शूटिंग कर रही थी और उन्होंने (आर्यन खान) ने मुझे जनवरी के महीने में फोन किया। उन्होंने कहा, 'हमें सभी रिकॉर्डिंग देने हैं, इसलिए हमें अभी इस गाने की शूटिंग करनी है और आपका समय आ गया है।' मैंने कहा कि ठीक है। इसलिए, मैं एक दिन के लिए बॉम्बे आई और फिर आर्यन ने मुझे सब बताया।'

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के बारे में

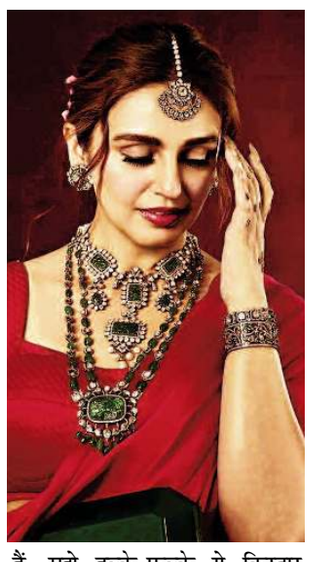
'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लक्ष्य लालवानी, सहर बाम्बा, बॉबी देओल, राघव जुयाल, आन्या सिंह, मनीष चौधरी, मोना सिंह, विजयंत कोहली, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार नजर आए हैं। कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) नाम के एक ऐसे नौजवान की है जो फिल्मों की दुनिया में बड़ा नाम कमाने का सपना लेकर आता है। उसके साथ उसका दोस्त परवेज (राघव जुयाल) और मैनेजर सान्या (आन्या सिंह) उसका साथ देते हैं। यह कहानी न सिर्फ ग्लैमर की दुनिया की चमक दिखाती है बल्कि उसके पीछे की अंधेरी सच्चाइयों को भी उजागर करती है।

'मुझे ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है'

अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के तीसरे सीजन से चर्चा में हैं। इसमें एक्ट्रेस ने नकारात्मक भूमिका निभाई है, जिसे लेकर उन्होंने अपनी राय रखी है।

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों ओटीटी पर छाई हुई हैं। पहले 'महारानी 4' और अब 'दिल्ली क्राइम' सीरीज के तीसरे सीजन से वो सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने इसमें ग्रे शेड रोल में मुख्य भूमिका निभाई है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इन रोल्स को करने के लिए उन्हें सुझाव भी आए थे। पढ़िए उन्होंने क्या कहा।

मुझे बुरे किरदार करने को कहा गया था: अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने 'दिल्ली क्राइम 3' में अपने किरदार के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मैंने ग्रे किरदार निभाए हैं, मुझे हल्के-फुल्के ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, लेकिन यह डार्क है, जितना डार्क हो सकता है उतना डार्क और शानदार भी। मेरे कलाकारों ने मुझसे कहा था कि बुरे किरदार करो। इसलिए मैंने इसे प्रशंसा के तौर पर लिया।'



किरदार को वास्तविक बनाने का प्रयास किया: आगे उन्होंने कहा, 'हमने अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के बारे में सोचा। चाहे वह हरियाणवी का उपयोग करने की कोशिश हो क्योंकि हम उसे एक बहुत ही वास्तविक व्यक्ति बनाना चाहते थे, न कि केवल एक कार्डबोर्ड जैसा फिल्मी विलेन।'

खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं हुमा: आगे बातचीत में हुमा कुरैशी ने बोला, 'मैं सौभाग्य से उन लोगों में से हूं, जिन्हें किसी खास माहौल में रहने, संगीत सुनने या कोई खास परफ्यूम लगाने की जरूरत नहीं होती। मुझे बस शॉट से पहले 10 सेकंड का मौन रखना होता है, और मैं तैयार हो जाती हूं।' फिर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक प्रक्रिया से कहीं ज्यादा है, सेट पर पहुंचने से बहुत पहले ही मेरा होमवर्क हो जाना चाहिए, यानी स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ना और यह समझना कि मैं क्या कर रही हूं। फिर एक्शन और कट के बीच, खुद को रोकने की कोशिश न करते हुए, उस पल के आगे समर्पण कर देना चाहिए।'

'दिल्ली क्राइम' सीजन 3 के बारे में : इस सीरीज का निर्देशन तनुज चोपड़ा द्वारा किया गया है। इसमें हुमा कुरैशी ने मीना के रूप में विलने का किरदार निभाया है, जिन्हें बड़ी दीदी के नाम से भी जाना जाता है। मीना मानव तस्करी नेटवर्क की एक शक्तिशाली हस्ती है। इसमें हुमा कुरैशी के अलावा शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तैलंग जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। यह सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

शादी की खबरों के बीच रश्मिका ने की विजय देवरकोंडा की जमकर तारीफ



रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी की खबरें पिछले कुछ दिनों से बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। इस बीच बीती रात रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' की सक्सेस पार्टी हुई। इस इवेंट में विजय देवरकोंडा भी पहुंचें। इस दौरान दोनों के बीच एक लविंग मूमेंट भी देखने को मिला, जब विजय ने रश्मिका के हाथों को चूमा। अब इस इवेंट के वीडियो भी सामने आ रहे हैं। इवेंट के दौरान रश्मिका ने विजय की जमकर तारीफ की और कहा कि हर किसी की लाइफ में एक विजय देवरकोंडा होना चाहिए। हैदराबाद में हुई 'द गर्लफ्रेंड' की इस सक्सेस मीट में अपने भाषण के दौरान रश्मिका ने फिल्म को लेकर बात की। फिल्म की जर्नी के बारे में बात करते हुए आखिरी में रश्मिका ने विजय की भी तारीफ की। उन्होंने विजय के फिल्म में सहयोग देने के लिए उनका आभार दिया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से फिल्म में विजय देवरकोंडा की भागीदारी को स्वीकार किया। विजय को प्यार से विजू बुलाते हुए रश्मिका ने कहा, 'विजू, आप शुरू से ही इस फिल्म का हिस्सा रहे हैं और आप फिल्म की सफलता का हिस्सा हैं। आप इस पूरी यात्रा का व्यक्तिगत रूप से हिस्सा रहे हैं। मैं बस यही उम्मीद कर सकती हूं कि हर किसी के जीवन में एक विजय देवरकोंडा हो, क्योंकि यह एक आशीर्वाद है।



साभार एजेंसी